राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें

पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023

संपर्क नं.-9879141480

ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उत्तरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उत्तरांचल,उत्तराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण बुधवार 22 –नवम्बर–2023 वर्ष–6,अंक–297 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

बिहार आरक्षण संशोधन विधेयक को राज्यपाल ने दी मंजूरी

पटना। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने मंगलवार को 'बिहार आरक्षण संशोधन विधेयक- 2023% को मंजूरी दे दी। इस विधेयक को मंजूरी देने के बाद इसे सरकार को लौटा दिया। बिहार में अब सरकारी नौकरियों और शिक्षण संस्थाओं में आरक्षण का दायरा बढ़कर 75 प्रतिशत हो जाएगा। इससे पहले विधानमंडल के शीतकालीन सत्र में इस विधेयक को सर्वसम्मति से पास कर दिया गया था और राज्यपाल के पास भेजा गया था। यह भी पढ़े - बिहार में संदिग्ध जहरीली शराब त्रासदी ने 5 लोगों की जान ले ली नई आरक्षण नीति के तहत अनुसूचित जाति (एससी) के लिए मौजूदा 16 प्रतिशत की बजाय 20 प्रतिशत, एसटी के लिए 1 प्रतिशत की जगह 2 प्रतिशत, पिछड़े वर्गों (ओबीसी) के लिए 12 प्रतिशत की जगह 18 प्रतिशत और अत्यंत पिछड़ा वर्ग (इबीसी) के लिए 18 फीसदी की बजाय 25 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था की गई है। सामान्य वर्ग में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को पहले की तरह 10 प्रतिशत आरक्षण मिलता रहेगा। उल्लेखनीय है कि बिहार में जातीय गणना के बाद यह तय माना जा रहा था कि आरक्षण की सीमा बढ़ाई जाएगी।

मुजफ्फरनगर में सट्टा रैकेट का भंडाफोड़ , 14 आरोपी गिरफ्तार

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले की शाहपुर थाना पुलिस ने एक सट्टेबाजी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। इस सिलसिले में 14 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों की पहचान दीपक, सोनू कुमार, प्रदीप, सोनू, शाहवाज, रोहित, कैलाश, राशिद, नईम, रामशरण, रवि, शहनवाज और राशिद उर्फ काला के रूप में हुई है। इनके कब्जे से सट्टे में प्रयुक्त कई सामान और नकदी बरामद किए गए हैं। शाहपुर थाना पुलिस ने बताया कि गुप्त सूचना मिलने पर रसूलपुर जाटान गांव की एक बंद पड़ी फैक्ट्री में छापेमारी की गई, जिसमें 14 लोगों को रंगेहाथ पकड़ा गया।

तकनीकी खराबी के कारण एयर इंडिया की मुंबई-न्यूयार्क फ्लाइट ईरान हवाई क्षेत्र से वापस

मुंबई । तकनीकी खराबी के कारण एयर इंडिया की मुंबई-न्यूयॉर्क उड़ान को मंगलवार सुबह ईरानी हवाई क्षेत्र से वापस लौटना पड़ा। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। न्यूयॉर्क के जेएफके हवाईअड्डे के लिए जाने वाली उड़ान एआई-119 ने लगभग 2.20 बजे उड़ान भरी और कुछ घंटों के बाद वापस लौट आई। सूत्रों ने कहा कि विमान में कुछ तकनीकी समस्याएं थीं और यात्रियों व चालक दल की सुरक्षा के हित में एहतियाती जांच करने के लिए वापस मुंबई के लिए उड़ान भरने का निर्णय लिया गया था। विमान आज सुबह छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (सीएसएमआईए) पर सुरक्षित रूप से उतरा और तकनीकी जांच के लिए भेजा गया, जबकि एआई अधिकारियों ने सभी यात्रियों की देखभाल की व्यवस्था की। सूत्रों ने कहा कि फंसे हुए यात्रियों को शीघ्रता से बाहर निकालने के लिए एक वैकल्पिक उड़ान की व्यवस्था की जा रही है, साथ ही उन्हें होटल आवास, उड़ान विकल्प, कैब, भोजन आदि भी दिया जा रहा है।

राजस्थान चिरंजीवी योजना भारत की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना होगी : राहुल गांधी

नई दिल्ली।

कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राजस्थान के लिए पार्टी का घोषणापत्र जारी किया। इसमें राज्य सरकार के स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम की राशि को 25 लाख रुपये से दोगुना कर 50 लाख रुपये करने का वादा किया गया है। घोषणा पत्र जारी होने के कुछ घंटे बाद पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि चिरंजीवी स्वास्थ्य बीमा योजना भारत का सबसे बड़ा स्वास्थ्य सुरक्षा कार्यक्रम बन जाएगा।

उन्होंने कहा कि किसी भी गरीब या मध्यमवर्गीय परिवार को इलाज के लिए अपने गहने गिरवी रखने या घर बेचने की जरूरत नहीं पड़ेगी। एक्स पर एक पोस्ट में राहुल गांधी ने कहा, मैंने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत जी से कहा कि राजस्थान की क्रांतिकारी चिरंजीवी योजना के तहत मुफ्त इलाज की राशि को मौजूदा 25 लाख रुपये से और बढ़ाया जाना चाहिए। आज, इसे बढ़ाकर 50 लाख रुपये कर दिया गया है। मुफ्त इलाज, इसे भारत की सबसे बड़ी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना बनाता है।

केरल के वायनाड से लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने कहा, अब, राजस्थान में गरीब या मध्यम वर्ग के परिवारों को सबसे अच्छा इलाज मिल सकता है। उन्हें अपना घर नहीं बेचना पड़ेगा या कर्ज नहीं लेना पड़ेगा, कोई आभूषण गिरवी नहीं रखना पड़ेगा। यह कांग्रेस की गारंटी है।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, राजस्थान देश का एकमात्र राज्य है जहां लोगों को चिरंजीवी योजना के तहत 25 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज मिल रहा था। अब इस योजना के तहत 50 लाख रुपये तक के मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। वास्तव में राजस्थान के लोगों के लिए चिरंजीवी है। कांग्रेस ने फिर से पूरे दिल से काम किया।

यह टिप्पणी कांग्रेस के मंगलवार को अपने घोषणापत्र में चिरंजीवी बीमा की राशि 25 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये करने की घोषणा के बाद आई है।

पीएम मोदी ने फिर की सीएम धामी से बात

टनल में फंसे सभी श्रमिकों को सुरक्षित निकालने को बताया सर्वोच्च प्राथमिकता

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को एक बार फिर उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बात कर उत्तरकाशी के सिलक्यारा टनल में फंसे 41 श्रमिकों को बचाकर सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे बचाव अभियान की प्रगति की जानकारी ली। प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत के दौरान उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी से कहा कि टनल में फंसे सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालना सर्वोच्च प्राथमिकता है। प्रधानमंत्री ने एक बार फिर केंद्र सरकार और केंद्रीय एजेंसियों की तरफ से हर संभव मदद का भरोसा दिया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इससे पहले सोमवार को भी उत्तराखंड सीएम धामी से फोन पर बात कर बचाव कार्य के लिए चलाए जा रहे अभियान की जानकारी ली थी।

उत्तराखंड के टनल में श्रमिकों के फंसने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को चौथी बार उत्तराखंड के मुख्यमंत्री से फोन पर बात की है। पीएम मोदी के साथ बातचीत की जानकारी साझा करते हुए उत्तराखंड सीएम धामी ने एक्स पर पोस्ट कर कहा, ÷सिलक्यारा टनल में चल रहे रेस्क्यू ऑपरेशन के अंतर्गत 6 इंच व्यास की पाइप मलबे के आर-पार किए जाने से श्रमिकों तक भोजन के साथ ही अन्य आवश्यक सामग्री पहुंचाई जा रही है।

इस संबंध में प्रधानमंत्री का मार्गदर्शन एवं सहयोग भी हमें निरंतर प्राप्त हो रहा है। हमारी सरकार सभी श्रमिकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास कर रही है।

अब कोहरे में दिल्ली-एनसीआर

-उप्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश समेत उत्तर भारत में ठंड की स्थिति

नई दिल्ली।

दिल्ली में वायु प्रदूषण को लेकर आ रहे अपडेट के साथ ही स्काईमेट वेदर ने जानकारी दी है कि अगले 24 घंटों के दौरान आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और केरल के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। इसके अतिरिक्त कुछ स्थानों पर भारी बारिश होने के इमकान भी हैं। देश के अनेक राज्यों में सर्दी ने दस्तक दे दी है। राजधानी दिल्ली में भी जल्द ही पारा गिरने की संभावना व्यक्त की गई है। वहीं पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी होने का भी अनुमान है। इसके बाद ठंड और बढ़ जाएगी। मौसम विभाग के अनुसार, 21 से 25 नवंबर तक मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, पंजाब, हरियाणा, राजस्थान समेत कई राज्यों में तापमान में गिरावट देखने को मिलेगी। दिल्ली के तापमान की बात करें तो मौसम विभाग का कहना है कि राजधानी दिल्ली में आज मंगलवार 21 नवंबर को अधिकतम तापमान 26 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री रहने की संभावना है। इससे एक दिन पहले सोमवार को तापमान 27 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने 22 से 24 नवंबर तक अधिकतम तापमान 26 और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री रहने की संभावना व्यक्त की है। दिल्ली और एनसीआर का वायु गुणवत्ता सूचकांक सोमबार को बेहद खराब श्रेणी में रहा है।, 21 नवंबर से दिल्ली और एनसीआर में वायु गुणवत्ता सूचकांक में सुधार होने की संभावना भी व्यक्त की गई है। स्काईमेट वेदर की मानें तो अगले 24 घंटों के दौरान करेल, आंध्र प्रदेश और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश भी हो सकती है।

चलती कार बनी आग का गोला, चालक ने कूदकर बचाई जान

नोएडा।

नोएडा में एक चलती कार आग का गोला बन गई और चालक ने उससे कूदकर जान बचाई। मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की गाड़ी ने आग पर काबू पाया और उस रास्ते से निकलने वाले ट्रैफिक को सामान्य किया। मामला नोएडा के सेक्टर-71 स्थित बाबा बालक नाथ मंदिर के पास का है। मंगलवार को एक चलती कार में अचानक आग लग गई। आग एसी में शॉट सर्किट की वजह से लगी। चालक ने कूदकर अपनी जान बचाई। आग से कोई जन हानि नहीं हुई है। सीएफओ प्रदीप चौबे ने बताया कि बाबा बालक नाथ मंदिर सेक्टर 71 के पास जाती हुई कार में आग लगी। गाड़ी पेट्रोल वर्जन है।

शॉट सर्किट की वजह से आग लगी। दमकल विभाग ने आग पर काबू पा लिया।

भारत के सीक्रेट मिसाइल टेस्ट का 10 माह बाद हुआ खुलासा

-सबमरीन से लॉन्च होने वाली क्रूज मिसाइल

नई दिल्ली!

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) द्वारा सीक्रेट तौर पर पनडुब्बी से लॉन्च होने वाली क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया गया! इस टेस्ट की जानकारी किसी को भी नहीं थी! डीआरडीओ मिसाइल विकसित करने में काफी लंबे टाइम से लगा हुआ था! इस सीक्रेट टेस्ट का खुलासा दुबई एयर शो के दौरान डीआरडीओ के एक पोस्टर से हुआ, जिसमें उक्त मिसाइल की खासीयत बताई गईं थीं!एक रिपोर्ट के मुताबिक मिसाइल के दो और वैरिएंट बनाने का काम किया जा रहा है! सबमरीन से लॉन्च की जाने वाली मिसाइल सबमरीन लॉन्च्ड क्रूज मिसाइल-एसएलसीएम की रेंज 500 किलोमीटर है! बताया जाता है कि मिसाइल को फरवरी में टेस्ट के लिए उतारा गया था तब इसने 402 किलोमीटर की रेंज हासिल की थी! इस मिसाइल की लंबाई 5.6 मीटर और व्यास 505 मिलिमीटर है! वॉरहेड के साथ कुल वजन 975 किलोग्राम बताया गया है! एक अन्य जानकारी में बताया गया है कि इस मिसाइल को भी निर्भय मिसाइल के प्लेटफॉर्म पर ही बनाया गया है! यह इंडियन नेविगेशन सिस्टम, जीपीएस की सहायता से अपने टारगेट तक पहुंचती है! इसमें आरएफ सीकर लगा हुआ है!

12 दिसंबर को सिक्किम जाएंगे आध्यात्मिक गुरु दलाई लामा

धर्मशाला।

तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा 12 दिसंबर को सिक्किम की यात्रा पर रहेंगे।एक आधिकारिक बयान में कहा गया, सिक्किम राज्य सरकार के अनुरोध पर परमपावन सुबह गंगटोक के पलजोर स्टेडियम में ग्याल्से थोकमे संगपोस बोधिसत्व के 37 अभ्यासों पर वह एक दिवसीय प्रवचन देंगे। इससे पहले अक्टूबर में दलाई लामा की फ्लू की समस्या को देखते हुए, उनके कार्यालय ने दिसंबर के मध्य तक सिक्किम, बायलाकुप्पे और हुनसूर की उनकी नियोजित यात्राओं को रद्द करने की घोषणा की थी। गंगटोक के बाद, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता 14 दिसंबर को पश्चिम बंगाल के सालुगाड़ा और बाद में बोधगया की यात्रा करेंगे, जहां वह 29 दिसंबर से कालचक्र शिक्षण मैदान में तीन दिवसीय उपदेश देंगे। वह एक जनवरी, 2024 को दीर्घायु अर्पण समारोह में भाग लेंगे।

उनके कार्यालय की वेबसाइट पर एक पोस्ट के अनुसार, दलाई लामा पूरे वर्ष विभिन्न समय और विभिन्न स्थानों पर उपदेश देते हैं। भारत में सार्वजनिक वार्ताएं आम तौर पर मुफ्त और जनता के लिए खुली होती हैं। हालांकि, भारत के बाहर उपदेशों और सार्वजनिक वार्ताओं में भाग लेने के लिए आमतौर पर टिकट खरीदने की आवश्यकता होती है। टिकटों की बिक्री से प्राप्त आय का उपयोग आयोजन स्थल की लागत और उनकी यात्रा से संबंधित अन्य खर्चों को कवर करने के लिए किया जाता है।

धर्मशाला के मुख्य तिब्बती मंदिर में साल में कई बार उनके उपदेशों का आधिकारिक तौर पर एफएम चैनलों पर अंग्रेजी, चीनी, कोरियाई, वियतनामी, हिंदी और जापानी सहित कई भाषाओं में अनुवाद किया जाता है।

यूनेस्को विश्व धरोहर विरुपाक्ष मंदिर में हुए नुकसान को लेकर क्लर्क निलंबित

विजयनगर।

कर्नाटक के हम्पी में यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल विरुपाक्ष मंदिर को नुकसान पहुंचाने को लेकर अथॉरिटी ने मंदिर के क्लर्क को निलंबित कर दिया है। इससे पहले भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) के अधिकारियों ने बंदोबस्ती विभाग को नोटिस जारी कर इस संबंध में स्पष्टीकरण मांगा था। इसे लेकर बंदोबस्ती विभाग के सहायक आयुक्त ने एक आदेश जारी कर मंदिर के एक क्लर्क बी.जी. श्रीनिवास को निलंबित कर दिया है। मंदिर के गर्भगृह के पास दो खंभों के बीच एक गेट लगाने के लिए कील ठोकने का काम किया गया था। हालांकि, काम शुरू करने से पहले बंदोबस्ती विभाग ने एएसआई से सहमति नहीं ली थी। सूत्रों ने बताया कि बंदोबस्ती विभाग को केवल मंदिर में पूजा-अर्चना करने का जिम्मा सौंपा गया है। एएसआई टीम ने हम्पी मंदिर में हुए नुकसान पर ध्यान दिया क्योंकि यह यूनेस्को की विरासत स्थल सूची में आता है। एएसआई अधिकारियों ने कहा कि विरासत स्मारकों को होने वाली थोड़ी सी भी क्षति को गंभीरता से लिया जाता है। घटनाक्रम पर आपत्ति जताते हुए स्थानीय कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि अगर अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की गई तो वे विरोध प्रदर्शन करेंगे।

इनकम टैक्स असेसमेंट केस

गांधी परिवार और आप की याचिका पर 28 नवंबर को अगली सुनवाई

नई दिल्ली।

सुप्रीम कोर्ट इनकम टैक्स असेसमेंट केस में गांधी परिवार और आप की याचिका पर अगली सुनवाई 28 नवंबर को करेगा। राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी वाड्रा, आम आदमी पार्टी (आप) और कई धर्मार्थ ट्रस्टों ने आयकर असेसमेंट को इनकम टैक्स के केंद्रीय सर्किल में ट्रांसफर करने के फैसले को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति खन्ना और न्यायमूर्ति एस.एन.वी. भट्टी की पीठ ने सुनवाई 28 नवंबर तक के लिए स्थगित कर दी है।3 अक्टूबर को ट्रांसफर के खिलाफ कांग्रेस नेताओं राहुल गांधी, सोनिया गांधी और प्रियंका गांधी वाड्रा द्वारा दायर याचिकाओं का जिक्र करते हुए शीर्ष अदालत ने कहा कि यदि व्यक्तियों के बीच क्रॉस-लेनदेन होता है तो केंद्रीय मूल्यांकन की आवश्यकता हो सकती है। गांधी परिवार और उनसे जुड़े ट्रस्टों की ओर से पेश वरिष्ठ वकील अरविंद दातार ने कहा कि भगोड़े हथियार डीलर संजय भंडारी मामले में तलाशी के कारण आईटी अधिकारियों ने प्रियंका गांधी के पति रॉबर्ट वाड्रा के कारण इन सभी को पूरक मामलों के रूप में टैग किया है। गांधी परिवार ने कहा है कि भंडारी समूह के मामलों से उनका कोई लेना-देना नहीं है और उनके मामलों में तलाशी या जब्ती की कोई घटना नहीं हुई है। भंडारी भारत में भ्रष्टाचार और मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में वांछित है। वह कथित तौर पर लंदन स्थित एक फ्लैट को लेकर रॉबर्ट वाड्रा से जुड़े हुए हैं। हालांकि, रॉबर्ट वाड्रा ने भंडारी के साथ किसी भी व्यापारिक सौदे से इनकार किया है। न्यायमूर्ति खन्ना ने आप की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक मनु सिंघवी से भी सवाल किया कि रिट याचिकाएं दाखिल करने में पांच महीने की देरी क्यों हुई। अदालत ने यह भी कहा कि फेसलेस मूल्यांकन को हटाने के लिए कुछ औचित्य होना चाहिए और पीठ केवल कानूनी मुद्दे से चिंतित थी, न कि राजनीति से। इससे पहले 26 मई को, दिल्ली उच्च न्यायालय ने आप, गांधी परिवार और पांच ट्रस्टों की उन याचिकाओं को खारिज कर दिया था, जिसमें आयकर विभाग के

उनके कर मूल्यांकन को फेसलेस मूल्यांकन से केंद्रीय सर्कल में स्थानांतरित करने के आदेशों को चुनौती दी गई थी। उच्च न्यायालय की पीठ ने फैसला सुनाया कि फेसलेस मूल्यांकन योजना के तहत मूल्यांकन का कोई मौलिक कानूनी अधिकार नहीं है।

संपादकीय

सुरंग में फंसे मजदूर

उत्तरकाशी के सिलक्यारा गांव की सुरंग में फंसी 41 जिंदगियों के लिए बेचैनी बढ़ती जा रही है, तो यह स्वाभाविक ही है। पिछले नौ दिनों से ये मजदूर इस सुरंग में फंसे हुए हैं और इनको सुरक्षित बाहर निकालने के लिए किए जा रहे युद्ध-स्तरीय प्रयासों का अब तक कोई ठोस नतीजा नहीं निकल पाया है। इससे भी हालात की गंभीरता स्पष्ट हो जाती है। हालांकि, एक अच्छी बात यह है कि उन सबसे संवाद हो पा रहा है और उन तक तक ऑक्सीजन, दवाएं व खाने की चीजें पहुंचाई जा रही हैं। मगर इस समय सबसे अधिक जरूरत उनके मनोबल को ऊंचा बनाए रखने की है और यह काम वहां पहुंचे उनके परिजन ज्यादा बेहतर कर सकते हैं। निस्संदेह, वे लोग भी कम अधीर नहीं हो रहे होंगे, लेकिन शासन-प्रशासन को उन्हें भरोसे में लेकर यह काम करना होगा। इन परिजनों को मौके पर सभी सुविधाएं मुहैया कराने के साथ-साथ मनोचिकित्सकों की सहायता भी उपलब्ध कराई जानी चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सूबे के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से इस संदर्भ में जानकारी लेने से यकीनन परिजनों को संबल मिला होगा कि सरकार अपने तईं पूरी कोशिश कर रही है। यह हादसा कुछ सवाल भी खड़े करता है। इस तरह की सुरंगों की खुदाई में क्या ऐसी स्थिति की कल्पना नहीं की जाती? अगर होती है, तो इसमें बचाव के विकल्प भी सोचे ही गए होंगे? उत्तरकाशी की इस सुरंग योजना में क्या वे एहतियाती कदम उठाए गए थे? खासकर तब, जब पहले से तमाम पर्यावरणविद् व स्थानीय बुद्धिजीवी पहाड़ी इलाकों की कतिपय परियोजनाओं को लेकर आगाह करते रहे हैं। इस घटना से केंद्र और राज्य सरकारों को गंभीर सबक लेने की जरूरत है, क्योंकि किसी भी अनहोनी का अन्य परियोजनाओं में कार्यरत मजदूरों के मनोबल पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। इसमें कोई दोराय नहीं कि पहाड़ों को भी विकास चाहिए। न सिर्फ वहां से हो रहे लगातार पलायन को रोकने के लिहाज से, बल्कि सुरक्षा की दृष्टि से भी यह खासा जरूरी है। मगर इसकी रूपरेखा उसके भूगोल के मिजाज के अनुरूप ही खींची जानी चाहिए। इसलिए उत्तरकाशी के इलाके में बढ़ती कुदरती आपदाओं का गहन अध्ययन बहुत आवश्यक है। सुरंग मार्गों का निर्माण तो हमेशा से चुनौतीपूर्ण रहा है, मगर प्रौद्योगिकीय तरक्की ने दुनिया भर की सरकारों और नीति-नियंताओं को इसके लिए प्रेरित किया है और अब तो काफी लंबे-लंबे ऐसे रास्ते बनाए बनने लगे हैं। जाहिर है, इससे न सिर्फ आवागमन आसान हुआ है, बल्कि सुदूर इलाकों तक विकास की रोशनी पहुंचाने में भी मदद मिली है। हमारे महानगरों को ही देख लीजिए, भूमिगत ट्रेनें हजारों मुसाफिरों के दैनिक जीवन को सुविधा-संपन्न बना रही हैं, बल्कि पिछले कुछ वर्षों में जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश में छोटे-बड़े कई सुरंगी मार्गों का उद्घाटन हुआ है। इससे वहां के लोगों के जीवन में काफी सहूलियतें भी आई हैं। ऐसे में, तमाम विकास परियोजनाओं को उत्तरकाशी जैसी घटना से निरापद बनाने की आवश्यकता है। यह घटना एक नागरिक, और एक मनुष्य के तौर पर भी हमसे संवेदनशील बनने की मांग करती है। हम सबको सुविधाएं तो चाहिए, मगर वे किस कीमत पर मिली हैं या मिलेंगी, इसके प्रति हम प्रायः उदासीन रहते हैं। तो अब जब भी किसी मुश्किल सुरंग या दुर्गम पहाड़ी राहों से गुजरें, अपनी कृतज्ञता उन मजदूरों और इंजीनियरों के प्रति जरूर प्रकट करें, जिन्होंने अपनी जान को जोखिम में डालकर उनको मुमकिन बनाया।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मानवीय मूल्यों के हनन पर रहस्यपूर्ण खामोशी

राजेश रामचंद्रन

हमारे समाज में अंदरखाते कितनी विद्रूपता है इसकी झलक, अपनी पूरी वीभत्सता के साथ, हाल ही में उजागर हुई है। बल्कि, दृश्यावली हर गुजरते दिन के साथ बदतर होती जा रही है। हरियाणा के जींद में एक वरिष्ठ माध्यमिक कन्या विद्यालय की लगभग 50 बच्चियों के साथ यौन-उत्पीड़न हुआ, स्कूल के प्रधानाचार्य ने कुछ के साथ छेड़छाड़ की, तो कुछेक का कथित बलात्कार। उसे लैंगिक अपराधों से बाल संरक्षण अधिनियम (पोक्सो) के प्रावधानों के तहत सामान्य एवं गहन स्तर का यौन-उत्पीड़न करने की धाराओं में गिरफ्तार कर लिया गया है। साथ ही, उस पर भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत महिला अस्मिता पर हमला करने और गलत ढंग से रोककर रखने वाली धाराएं भी जोड़ी गई हैं। यह कहानी इतनी विचित्र है कि तफ्सील से विवेचना की जरूरत है। सबसे पहले कुछ स्कूली छात्राओं द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग को चिट्ठी लिखी बताई जाती है। जाहिर है छात्राओं ने अपने असली नाम नहीं लिखे होंगे। यह पत्र शायद गत 31 अगस्त को लिखा गया। जब 25 अक्तूबर को जिला प्रशासन ने जांच-पड़ताल शुरू की- ठीक उसी दिन आरोपी प्रधानाचार्य जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से अनुमति लिए बगैर 50 छात्राओं के साथ अमृतसर यात्रा पर निकल गया। इस पर मीडिया वालों को संदेह है कि ऐसा शायद अपने बचाव की आड़ बनाने के इरादे से किया गया। वापसी पर अतिरिक्त मुख्य सचिव ने आरोपों में दम भांपकर प्रधानाचार्य को बर्खास्त कर दिया। इसके बाद उपायुक्त द्वारा नियुक्त यौन उत्पीड़न समिति द्वारा की गई तफ्तीश में पाया गया कि प्रथम दृष्टया आरोप बेवजह नहीं लगते। गत 4 नवम्बर को प्रधानाचार्य को गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेजने के बाद और इल्जाम सामने आने लगे। इस मुद्दे पर केवल जनवादी महिला समिति और संयुक्त किसान मोर्चा ही ऐसे संगठन हैं, जो प्रदर्शन कर रहे हैं और अपनी ओर से इस भयावह कांड की जांच-पड़ताल करवा रहे हैं। एक स्थानीय सामाजिक कार्यकर्ता सिक्किम नैन द्वारा प्रधानाचार्य पर 30 बच्चियों के साथ शारीरिक संबंध बनाने का आरोप लगाया गया है। एक अवयस्क के साथ किसी भी प्रकार का शारीरिक संबंध बलात्कार से इतर नहीं हो सकता। इसलिए, यदि कार्यकर्ता प्रधानाचार्य द्वारा बलात्कार किए जाने को इंगित कर रहा है, तो पूरा मामला एक अलग मोड़ ले सकता है, क्योंकि अभी तक उस पर बलात्कार की धारा नहीं लगाई है। न ही बलात्कार को लेकर स्थानीय पुलिस ने जांच की है। इससे बदतर, 30 सितम्बर को ग्यारहवीं की एक छात्रा ने आत्महत्या कर ली। बेबस छात्रा, जो कि गरीब तबके से थी, उस दिन विद्यालय आई थी, उसने हताश होकर खुदकुशी कर ली। शव का पोस्ट-मॉर्टम तक नहीं हुआ, न ही अब तक पुलिस ने आत्महत्या के लिए मजबूर करने के स्थानीय कार्यकर्ताओं के आरोपों पर जांच शुरू की है। बताया जाता है कि इस विद्यालय की दो और छात्राओं ने भी विगत में आत्महत्या की थी। किसी ने घटनाओं को समय के क्रम से जोड़कर देखने या इन सब अजीब घटनाओं पर विस्तृत रिपोर्ट देने की जरूरत नहीं समझी, न तो पुलिस ने और न ही प्रशासन या फिर विद्यालय प्रबंधन ने। इन सभी से किए गए प्रत्येक सवाल के जवाब में केवल टालमटोल वाले जवाब मिले। जब एक अध्यापक अपनी छात्राओं के लिए दरिंदा बन गया। लेकिन अब तक कुछ विशेष हाथ नहीं लग पाया। नए प्रधानाचार्य ने अपने पूर्ववर्ती पर लगे आरोपों को हवा में उड़ाया है, और यहां तक दावा किया कि एक बार उसके खिलाफ भी शिकायत हुई थी लेकिन कुछ निकला नहीं।

संयोगवश ऐसी सूचनाएं हैं कि जींद में प्रधानाचार्य बनने से पहले भी आरोपी का पिछला इतिहास यौन-उत्पीड़न के इल्जामों से सना है। ऐसा लगता है यौन-उत्पीड़न की शिकायतें हरियाणा के विद्यालयों में अमूमन आती हैं और इस किस्म की शिकायतों के बावजूद शिक्षा विभाग दागी अध्यापकों को कन्या विद्यालयों में नियुक्त करने से नहीं टलता। ऐसा भी नहीं कि कथित कांड की सारी जिम्मेवारी शिक्षा विभाग या विद्यालय को उठानी पड़े। एक भी स्थानीय राजनेता ने इस मामले में मुंह खोलने की हिम्मत नहीं दिखाई, न ही स्थानीय मंत्री ने, यहां तक कि किसी विपक्षी नेता ने भी। चुप्पी की यह साजिश चहुंओर पसरी है। वैसे भी हरियाणा में सत्तासीन और विपक्षियों के बीच भाईचारा है। हाल ही में जहरीली शराब ने 20 लोगों की जान ली, कथित आरोपियों मे एक विपक्षी दल का नेता और एक सत्तासीन दल के बड़े नेता का पुत्र है। इस पर भी सब शांत रहे। पंजाब और हरियाणा में अवैध शराब से मौतों की घटनाएं समय-समय पर होती रहती हैं और 'शराबी थे, मर गए' कहकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है, जबकि ऐसा है नहीं। यदि हाल ही में यमुनानगर की घटना का उदाहरण लें तो मुख्य आरोपी, जिसकी पूरी संभावना सत्ताधारी और विपक्षी नेताओं का मुखौटा होने की है, उसके पास 22 शराब ठेकों के लाइसेंस हैं। वह खुलेआम एक्सट्रा न्यूट्रल एल्कोहल (ईएनए) मिली शराब बेचता रहा, यह गिरोह जहां कहीं भी उपलब्ध हो लाकर मिला देता था। जब ईएनए की बजाय मिथाइल एल्कोहल या डीनेचर्ड स्पिरिट खरीदकर मिलाई जाए, तो परिणाम में मौतें होती हैं। यह सीधी-सी बात है। इसलिए, शराब उत्पादन इकाइयां, लाइसेंसशुदा ठेका चलाने वाले, एक्साइज़ अफसर और कुछ भ्रष्ट राजनेताओं की चौकड़ी वाला कराधान घोटाला अंततः शराब-त्रासदी बनाता है। मौतों का दोष उन परिवारों पर मढ़ दिया जाता है जो पीढ़ी-दर-पीढ़ी देसी दारू बनाने का धंधा करते हैं। लेकिन जींद की 50 छात्राओं की किस्मत को घालमेल वाली पड़ताल पर नहीं छोड़ा जा सकता। यह मामला विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण बन जाता है कि न केवल बच्चियों के साथ बलात्कार और खुदकुशी जैसे गंभीर आरोप लग रहे हैं बल्कि इसलिए भी कि वह सम्पूर्ण व्यवस्था ठप हो चुकी है, जो अगर चाहती तो ऐसी घटनाएं रुक सकती थीं। जाहिर है विद्यालय प्रबंधन समिति, जिला बाल कल्याण समिति, बाल अधिकार संरक्षण आयोग और अन्य तमाम संबंधित विभाग और कानूनी संस्थाएं अपना फर्ज निभाने में विफल रहे हैं। यदि जींद के एक विद्यालय में व्यवस्था तंत्र ठप रहा तो अन्य सरकारी विद्यालयों में स्थिति कैसे अलग हो सकती है? सरकारी स्कूलों का एक अन्य दुखद तथ्य यह है कि वहां अधिकांश विद्यार्थी समाज के पिछड़े वर्ग- चाहे आर्थिक रूप से या सामाजिक रुतबे में- से होते हैं। इस श्रेणी के विद्यार्थियों को जहां इस प्रकार की ज्यादतियां सहनी पड़ती हैं वहीं उनके अभिभावक भी बेबस बने रहते हैं। अपने बच्चों की भांति वे भी कभी सामाजिक उत्पीड़न का शिकार बन चुके होते हैं, यह उन्हें चुपचाप हताशा सहने को विवश करता है। फिर वे पुलिस द्वारा अपनी बच्चियों से पूछताछ को सामाजिक तौर पर कलंक मानकर भी शिकायत नहीं करते, इससे प्रत्येक के लिए मामला दबाना आसान बन जाता है। परंतु बतौर एक समाज, हम पितृसत्तात्मक व्यवस्था द्वारा बच्चों का मुंह बंद करवाना और दरिंदों को आसानी से छूट निकलने देकर, बच्चों को उनके हाल पर नहीं छोड़ सकते।

लेखक प्रधान संपादक हैं।

क्रिकेट में हार का मतलब देश की हार नही!

(लेखक-डॉ श्रीगोपाल नारसन)

भारत -आस्ट्रेलिया के बीच हाल ही में हुए विश्व कप मैच में भारत की अप्रत्याशित हार के बाद उत्तर प्रदेश के झांसी में कुछ युवकों ने गुस्से में दुकान से टीवी उठाए और उन्हें बाहर लाकर पटक दिया।युवक बोले,भारतीय टीम के खिलाड़ियों ने हमारा दिल तोड़ा है, उनके कारण ही वर्ल्ड कप हारे हैं।क्रिकेट मैच हारने के बाद इस तरह टीवी तोड़ने की खबरें अब से पूर्व पाकिस्तान से देखने और सुनने को मिलती थीं।लेकिन इस बार भारत से भी ऐसी ही खबर सामने आना चिंता का सबब है। कुछ युवक एक टीवी की दुकान पर खड़े होकर मैच देख रहे थे, जैसे ही ऑस्ट्रेलिया ने मैच जीता दो युवकों ने दुकान में रखे टीवी उठाए और बाहर जाकर उन्हें पटक दिया, इस दौरान दुकानदार बार-बार उन्हें कहता भी रहा कि ऐसा मत करो, लेकिन दोनों ने दुकानदार की नही सुनी,वे गुस्से में कहने लगे कि भारतीय टीम की वजह से हम मैच हारे हैं।इसी तरह अलीगढ़ और लखीमपुर खीरी में गुस्साए क्रिकेट प्रेमियों ने टेलीविजन तोड़ डाले, वहीं कई भारतीय क्रिकेट प्रशंसकों की आंखों में हार के कारण आंसू आ गए। भारत की हार से जहां देशवासियों का दिल टूटा है। वहीं इस हार के बाद तीन युवकों की मौत भी हुई है। भारत की हार से दुखी होकर बंगाल के बांकुड़ा जिले में 23 वर्षीय युवक ने फांसी लगा ली। उत्तर प्रदेश के सहारनपुर जिले में 60 वर्षीय वृद्ध की हार्ट अटैक से मौत हो गई, जबकि आंध्र प्रदेश के तिरुपति जिले के सॉफ्टवेयर इंजीनियर की दिल का दौरा पड़ने मौत हो गई।बंगाल पुलिस के मुताबिक, मृतक राहुल लोहार एक कपड़े की दुकान पर काम करता था और फाइनल मैच देखने के लिए छुट्टी ली थी। भारत की हार से दुखी होकर रात करीब 11 बजे उसने कमरे में फांसी लगा ली। भारत की हार के सदमे से 60 वर्षीय व्यक्ति की हार्ट अटैक से मौत हो गई।मृतक के पुत्र कुलदीप ने बताया कि पिता महावीर क्रिकेट के प्रेमी थे। भारत के हारते ही उन्हें दिल का दौरा पड़ गया। सन 1983 में जिस समय कपिल देव की टीम ने क्रिकेट व र्ल्ड कप जीता था तो उनके पिता ने पूरे गांव में मिठाई बांटी थी। इस बार भी उन्हें भारतीय टीम की जीत का पूरा भरोसा था। आंध्र प्रदेश के तिरुपति में रहने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर 32 वर्षीय ज्योति कुमार यादव भारत की हार नहीं सह पाए। हार के सदमे से भारतीय टीम के कट्टर समर्थक ज्योति कुमार का दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। तिरुमला तिरुपति देवस्थानम के एक सेवानिवृत्त कर्मचारी के बेटे ज्योति कुमार की जल्द ही शादी होने वाली थी। भारतीय

कप्तान रोहित शर्मा को रोते देखकर वह भावुक हो गए। तिरुपति ग्रामीण मंडल के दुर्गासमुद्रम गांव में अपने घर पर टेलीविजन पर मैच देखते समय गिर गए। अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। क्रिकेट अनिश्चितताओं का खेल है। कब किन परिस्थितियों में मजबूत टीम कमजोर पड़ जाए कहा नही जा सकता। भारतीय टीम का प्रदर्शन अंतिम मैच में भी इतना खराब नही था। बल्लेबाजी करते हुए उसके तीन खिलाड़ी जल्दी आउट हो गए, इसलिए टीम रक्षात्मक होकर खेलने लगी और रनों की दर धीमी पड़ गई थी। गेंदबाजी और फील्डिंग में भी खिलाड़ियों ने अपनी ताकत लगाई गई। लोगों को विश्वास था कि भारतीय टीम ही विश्व कप जीतेगी, उस अतिविश्वास के चलते लोग इस मैच को खेल भावना से नहीं देखकर देश भावना से देख रहे थे,जो भारत के हारने पर निराश हुए।लोग भारतीय टीम की हार का ठीकरा खराब पिच पर भी फोड़ रहे हैं, आस्ट्रेलियाई टीम ने इसी वजह से पहले गेंदबाजी का निर्णय किया था। हालांकि उसी स्टेडियम में पहले भी भारतीय टीम खेल चुकी है और वह उस पिच से अच्छी तरह परिचित है। इसलिए पिच को दोष देना ठीक नहीं है। कई लोग हैरान है कि आखिर के चालीस ओवरों में भारतीय टीम ने केवल चार चौके लगाए।सत्ताईस ओवरों में एक भी चौका-छक्का नहीं लगा। भारतीय खिलाड़ी इतने सुस्त कैसे पड़ गए,इसका बड़ा कारण तीन खिलाड़ियों के आउट हो जाने से टीम पर पड़ा मनोवैज्ञानिक दबाव कहा जा सकता है। जिससे टीम रक्षात्मक होकर खेलती रही। इसमें आस्ट्रेलियाई टीम के गेंदबाजों की परिपक्वता को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि उन्होंने भारतीय बल्लेबाजों को चौके-छक्के जड़ने का मौका बहुत कम दिया।इस मैच में कुछ लोग सट्टेबाजी का भी संदेह कर रहे हैं। पहले भी ऐसा हो चुका है और उसके चलते कुछ भारतीय खिलाड़ियों पर गाज भी गिर चुकी है। क्रिकेट बोर्ड में राजनीतिक दखल से भी भारतीय टीम के प्रदर्शन को लेकर आशंकाएं हो रही हैं। वही आस्ट्रेलियाई टीम की काबिलियत को कम करके आंकने की भूल भी हार का कारण है।भारतीय टीम का जीतना गौरव की बात होती, परन्तु इस हार का आंकलन आस्ट्रेलिया की टीम के प्रदर्शन से करना चाहिए। क्रिकेट एक खेल है और खेल को खेल भावना से ही खेला जाना चाहिए।ऐसे में क्रिकेट में हुई इस हार को देश की हार समझना और गुस्सा दिखाना हमारी भारी भूल है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

विचार मंथन

विपक्ष की भूमिका को सीख गई है कांग्रेस

(लेखक - सनत जैन)

कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी अपनी-अपनी भूमिका बदलती हुई दिख रही हैं। कांग्रेस पार्टी का जो कल्चर था, वह अब भाजपा में देखने को मिल रहा है। विपक्ष में रहते हुए भारतीय जनता पार्टी का जो कल्चर था अब वह कांग्रेस में देखने को मिल रहा है। दोनों ही राष्ट्रीय राजनीतिक दल बदली हुई भूमिका में उन्ही गुण दोषों के साथ रहना सीख गए हैं। भारतीय जनता पार्टी का वर्तमान केंद्रीय नेतृत्व पुरानी कांग्रेस पार्टी की तरह एकाधारवादी हो गया है। सारे अधिकार एक व्यक्ति पर जाकर केंद्रित हो गए हैं। पहले इंदिरा गांधी और उसके बाद गांधी परिवार के आसपास ही कांग्रेस का सत्ता केंद्र होते थे। वही स्थिति अब भारतीय जनता पार्टी में देखने को मिल रही है। राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे कांग्रेस के प्रवक्ता अब आक्रामक स्वरूप में अपनी बात कहने लगे हैं। यह आक्रामकता पहले भारतीय जनता पार्टी के नेताओं में देखने को मिलती थी। अब यह आक्रामकता कांग्रेस नेताओं में देखने को मिल रही है। हाल ही में पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने जिस तरह से केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमित शाह पर निशाना साधा है, उससे स्पष्ट है कि अब कांग्रेस विपक्ष की भूमिका में आक्रामक होना सीख गई है। उसमें अब कोई भी डर और भय नहीं रहा, जो सत्ता में रहते हुए बना रहता था। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस पार्टी में सामूहिक नेतृत्व का एक नया दौर सभी को आश्चर्यचकित कर रहा था। वहीं भारतीय जनता पार्टी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भरोसे पांच राज्यों मैं चुनाव प्रचार करती हुई नजर आई। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस सभी प्रदेशों में एकजुट नजर आई। वहीं भारतीय जनता पार्टी कई गुटों में बंटी हुई नजर आई। पहली बार भारतीय जनता पार्टी में इस तरह की बगावत देखने को मिली, जो कभी कांग्रेस में हुआ करती थी। बीजेपी के केंद्रीय नेतृत्व ने जिस तरह से प्रादेशिक नेताओं की अनदेखी करते हुए केंद्रीय नेताओं को जिम्मेदारी दी है। पहले यह सब पहले कांग्रेस की संस्कृति में हुआ करता था। ठीक इसके विपरीत कांग्रेस ने इस बार अपने प्रादेशिक नेताओं के ऊपर दायित्व सौंपते हुए, उनके चुनाव प्रचार में मदद की है। जिसके कारण पांचो राज्यों में कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत के साथ केन्द्रीय नेतृत्व प्रादे शिक नेताओं एवं कार्यकर्ताओं ने समन्वय बनाकर चुनाव लड़ा है। कांग्रेस का यह समन्वय सभी राजनेताओं और पत्रकारों के बीच में चर्चा का विषय बना हुआ है। प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने पहली बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधे निशाने पर लिया है। उन्हीं के भाषण और उन्हीं के शब्दों को आधार बनाते हुए पांच राज्यों में प्रधानमंत्री को अविश्वसनीय और झूठा बनाने का काम किया है। कांग्रेस नेता ऐसा बोल पाएंगे, इसको लेकर भी राजनीतिक हल्कों में आश्चर्य व्यक्त किया जा रहा है। सनातन और हिंदुत्व का मुद्दा भी लगता है, कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के हाथ से छीनने की कोशिश की है। कांग्रेस पार्टी इस प्रयास में काफी हद तक सफल होते हुए दिख रही है। कमलनाथ ने तो मध्य प्रदेश में कमाल कर दिया। उन्होंने अपने संसदीय क्षेत्र में 101 फीट की हनुमान जी की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा कराई थी। इस विधानसभा चुनाव में उन्होंने जिस तरह से बागेश्वर धाम के पीठधीश्वर को बुलाकर तथा कथाएं कराकर हिन्दुत्व का जवाब भाजपा को दिया है, हिंदू धर्म को मानने वाले कांग्रेस नेता भी हैं। भाजपा के नेता पाखंड करते हैं। इसका भी चुनाव में असर होता हुआ दिखा है। प्रियंका गांधी और मल्लिकार्जुन खड़गे ने इस बार के चुनाव अभियान में प्रधानमंत्री के 2013 से लेकर अभी तक के बयानों को आधार बनाकर उनके ऊपर लगातार हमले किए हैं। उन्होंने आम जनता के घावों को कुरदने का काम किया है। जिसका खामियाजा भारतीय जनता पार्टी को पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में भुगतना पड़ रहा है।

अविश्वसनियता का संकट इस बार आम जनता तथा भारतीय जनता पार्टी के प्रादेशिक, जिला स्तर के पदाधिका रियों के साथ-साथ कार्यकर्ताओं के बीच में भी देखने को मिला। पहली बार संघ के अनुवांशिक संगठन और भाजपा संगठन के कार्यकर्ताओं ने बेमन चुनाव में काम किया है। मतदान के दौरान उनकी उपस्थिति और उनकी सक्रियता वैसी देखने को नहीं मिली, जितनी पिछले चुनावों में देखने को मिलती थी। भारतीय जनता पार्टी अभी भी धार्मिक दुव्रीकरण, राम मं दिर, धारा 370, राष्ट्रीयता, सनातन भारत और पाकिस्तान के मुद्दे पर उलझी रही।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

बाजार को 2024 में एनडीए की वापसी का अनुमान : रिपोर्ट

नई दिल्ली । जेएम फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशनल सिक्योरिटीज ने एक रिपोर्ट में कहा कि बाजार सहभागियों ने पहले ही आगामी आम चुनावों में एनडीए की वापसी का अनुमान लगा लिया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि केवल अनिश्चितता (यदि कोई हो) बहुमत (सीटों की संख्या) की सीमा पर होगी, जिसके साथ वह जीतेगी। इसमें कहा गया है कि एक साल पहले और चुनावी वर्ष के दौरान पिछले पांच चुनावों में निफ्टी के रुझान के आकलन से संकेत मिलता है कि वित्त वर्ष 2024 के अंत तक निफ्टी 20,500 की ओर बढ़ने की संभावना है, जबकि निफ्टी को वित्त वर्ष 2025 में 24 प्रतिशत रिटर्न मिलने की उम्मीद है। हमने पिछले पांच आम चुनावों से एक साल पहले निफ्टी के रुझान का आकलन किया। वर्तमान वर्ष के निफ्टी के मुकाबले इन वर्षों के सूचकांकों के औसत की साजिश रचने पर पता चलता है कि बाजार पिछले पांच चुनावी वर्षों के औसत के साथ तालमेल बिठा रहा है। इस प्रवृत्ति को जारी रखते हुए, निफ्टी को वित्त वर्ष 24 के अंत तक 20,500 के स्तर की ओर बढ़ना चाहिए। चुनाव के वर्ष में निफ्टी के रुझान को मापने के लिए इसी तरह की कवायद की गई, इसके लिए हमने पिछले पांच चुनावी वर्षों के औसत पर विचार किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि औसत प्रवृत्ति निफ्टी में 24 फीसदी की तेजी का संकेत देती है, हालांकि यह ध्यान रखना उचित है कि औसत को वित्त वर्ष 2015 में दर्ज किए गए 54 फीसदी रिटर्न से बढ़ा दिया गया था।

अक्टूबर में भारतीय कंपनियों में पीई, वीसी निवेश घटकर 3.4 अरब डॉलर पर: रिपोर्ट

मुंबई: निजी इक्विटी (पीई) और उद्यम पूंजी (वीसी) कोषों का भारतीय कंपनियों में निवेश अक्टूबर महीने में करीब तीन प्रतिशत घटकर 3.4 अरब डॉलर रहा। मंगलवार को एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। उद्योग लॉबी समूह आईवीसीए और सलाहकार फर्म ईवाई की साझा रिपोर्ट के मुताबिक, मूल्य के हिसाब से अक्टूबर में पीई एवं वीसी के दांव एक साल पहले की समान अवधि के 3.5 अरब डॉलर से तीन प्रतिशत कम रहे। वहीं सितंबर के 4.2 अरब डॉलर की तुलना में पीई एवं वीसी निवेश 19 प्रतिशत कम रहा। रिपोर्ट कहती है कि अक्टूबर में सौदों की संख्या भी घटकर 70 लेनदेन पर आ गई जबकि साल भर पहले की समान अवधि में 80 निवेश सौदे हुए थे। सितंबर में यह संख्या 83 थी। ईवाई में साझेदार विवेक सोनी ने कहा, ''हालांकि, भारतीय उपभोग में मजबूती बनी हुई है लेकिन वैश्विक कारकों और भारत में आसन्न चुनावों के कारण अनिश्चितता बढ़ने से निवेश सौदों की प्रगति सुस्त पड़ी है। सोनी ने अपना नजरिया 'सतर्कता के साथ आशावादी रखते हुए कहा कि पीई एवं वीसी निवेश की रफ्तार तेजी नहीं पकड़ पा रही है। अक्टूबर में स्टार्टअप कंपनियों में 1.3 अरब डॉलर का निवेश आया जो साल भर पहले की तुलना में दोगुने से भी अधिक है। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर में कुल 2.4 अरब डॉलर मूल्य के नौ बड़े सौदे हुए जो एक साल पहले की समान अवधि से नौ प्रतिशत अधिक है। अबू धाबी इन्वेस्टमेंट अथॉरिटी (एडीआईए) ने रिलायंस रिटेल वेंचर में 59.8 करोड़ डॉलर डाले, जो सबसे बड़ा निवेश सौदा है। खुदरा एवं उपभोक्ता उत्पाद खंड 62.3 करोड़ डॉलर के पांच निवेश सौदों के साथ सबसे आगे रहा। रियल एस्टेट खंड छह सौदों में 60.1 करोड़ डॉलर निवेश के साथ दूसरे स्थान पर रहा। रिपोर्ट के मुताबिक, अक्टूबर महीने में कुल 2.4 अरब डॉलर का कोष जुटाया गया जबकि अक्टूबर, 2022 में 2.2 अरब डॉलर और सितंबर, 2023 में 1.1 अरब डॉलर का कोष जुटाया गया था।

अमेरिकी डॉलर में गिरावट के बावजूद रुपया संभलने में नाकाम

मुंबई ।

डॉलर के कमजोर होने के बावजूद मंगलवार सुबह के कारोबार में रुपया उबरने में विफल रहा और सुबह 11.28 बजे अमेरिकी ग्रीनबैक के मुकाबले पिछले दिन के रिकॉर्ड निचले स्तर 83.34 पर था। डॉलर सूचकांक गिरकर 103.20 पर आ गया, जो इसका ढाई महीने का निचला स्तर है, लेकिन रुपये में उम्मीद के मुताबिक बढ़त नहीं हुई। व्यापारियों ने इसका कारण तेल कंपनियों जैसे आयातकों को कम कीमत का फायदा उठाने के लिए बचाव के तौर पर अधिक डॉलर खरीदने को बताया। अमेरिकी डॉलर में गिरावट के कारण अन्य एशियाई मुद्राओं में तेजी आई है। कच्चे तेल की कीमतों में बढ़ोतरी और शेयर बाजारों से विदेशी फंडों के बाहर जाने के बीच सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया 7 पैसे टूटकर 83.34 पर बंद हुआ था। वैश्विक तेल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड वायदा सोमवार को 0.66 प्रतिशत बढ़कर 81.14 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि सेंसेक्स 139.58 अंक गिरकर 65,655.15 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी 37.80 अंक गिरकर 19,694 पर आ गया। एक्सचेंज डेटा के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) शुक्रवार को पूंजी बाजार में शुद्ध विक्रेता थे, क्योंकि उन्होंने 477.76 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। शुक्रवार को जारी आरबीआई के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, 10 नवंबर को समाप्त सप्ताह में भारत का विदेशी मुद्रा भंडार 462 मिलियन अमेरिकी डॉलर घटकर 590.321 बिलियन अमेरिकी डॉलर हो गया। विदेशी मुद्रा भंडार में किसी भी गिरावट से आरबीआई के लिए हस्तक्षेप करने और कमजोर होते रुपये को संभालने की गुंजाइश कम हो जाती है। शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रुपया 83.26 पर बंद हुआ था। इससे पहले रुपये ने इस साल 13 नवंबर को डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचला स्तर 83.33 दर्ज किया था।

सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी

मुंबई ।

सोने-चांदी की वायदा कीमतों में तेजी देखी जा रही है। दोनों के वायदा भाव मंगलवार को तेजी के साथ खुले। सोने के वायदा भाव बढ़कर 61 हजार रुपये पार कर गए हैं। चांदी के वायदा भाव 73 हजार रुपये से ऊपर कारोबार कर रहे हैं। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने-चांदी के वायदा कीमतों की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। लेकिन बाद में दोनों के वायदा भाव में तेजी दिखाई दी। सोने के वायदा भाव की मंगलवार को शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट मंगलवार को 148 रुपये की तेजी के साथ 60,805 रुपये के भाव पर खुला। मई महीने में सोने के वायदा भाव ने 61,845 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर सर्वोच्च स्तर छू लिया था। चांदी के वायदा भाव की शुरुआत मंगलवार को सोमवार के बंद भाव हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क दिसंबर कॉन्ट्रैक्ट मंगलवार 72,644 रुपये के भाव पर खुला। अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने चांदी की वायदा कीमतों की शुरुआत सुस्ती के साथ हुई। लेकिन बाद में इनकी कीमतों में तेजी देखी जाने लगी। कॉमैक्स पर सोना 1980 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला क्लोजिंग प्राइस 1980.30 डॉलर था।

सेबी अध्यक्ष ने इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस प्लेटफॉर्म का किया अनावरण

मुंबई।

भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में इन्वेस्टर रिस्क रिडक्शन एक्सेस (आईआरआरए) प्लेटफॉर्म लॉन्च किया है। वित्तीय बाजारों में जोखिम न्यूनीकरण एक सदाबहार विषय है और विभिन्न प्रकार के जोखिमों को दूर करने के लिए नियामकों द्वारा निरंतर प्रयास किए जाते हैं। आईआरआरए प्लेटफॉर्म एक ऐसी पहल है, जिसे सेबी के मार्गदर्शन में मार्केट इंफ्रास्ट्रक्चर इंस्टीट्यूशंस (एमआईआई) द्वारा प्राथमिक साइट और डिजास्टर रिकवरी साइट दोनों पर ट्रेडिंग सदस्य के अंत में तकनीकी गड़बड़ी की स्थिति में निवेशकों के सामने आने वाले जोखिम को कम करने के लिए संकल्पित और कार्यान्वित किया गया है। एमआईआई ने 3 अक्टूबर, 2023 से प्रभावी रूप से आईआरआरए प्लेटफॉर्म लॉन्च किया और बड़े पैमाने पर निवेशकों के लाभ के लिए सोमवार को आधिकारिक तौर पर आईआरआरए प्लेटफॉर्म लॉन्च किया। यह प्लेटफ़ॉर्म अपने निवेशकों के लिए वायरलेस टेक्नोलॉजी के माध्यम से इंटरनेट-आधारित ट्रेडिंग और सुरक्षा ट्रेडिंग का समर्थन करने वाले ट्रेडिंग सदस्यों के लिए उपलब्ध है। हालांकि, आईआरआरए एल्गो ट्रेडिंग और संस्थागत ग्राहकों के लिए उपलब्ध नहीं होगा। आईआरआरए को ट्रेडिंग सदस्यों द्वारा तब लागू किया जा सकता है जब उन्हें किसी तकनीकी गड़बड़ी का सामना करना पड़ता है, इससे प्राथमिक साइट और डिजास्टर रिकवरी साइट, जहां प्रासंगिक हो, दोनों एक्सचेंजों से ग्राहकों को सेवा देने की उनकी क्षमता प्रभावित होती है। आह्वान पर, बुनियादी जांच के बाद, प्लेटफ़ॉर्म सभी ट्रेडिंग स्थानों से ट्रेडिंग सदस्य के ट्रेडों को डाउनलोड करता है और आईआरआरए तक पहुंचने के लिए एक लिंक के साथ इंटरनेट ट्रेडिंग या वायरलेस तकनीक का उपयोग करने वाले निवेशकों को एसएमएस/ईमेल भेजता है।

निफ्टी के सकारात्मक रुख के साथ बंद होने से मेटल, रियल्टी शेयरों का प्रदर्शन बेहतर रहा

मुंबई।

निफ्टी मंगलवार को सकारात्मक रुख के साथ बंद हुआ। जबकि, अधिकांश क्षेत्रीय सूचकांक हरे निशान में बंद हुए। मंगलवार को निफ्टी-50, 89 अंक (0.45 प्रतिशत) बढ़कर 19,783.40 पर बंद हुआ। सेंसेक्स 276 अंक (0.42 प्रतिशत) बढ़कर 65,930.77 पर बंद हुआ। बोनान्ज़ा पोर्टफोलियो के रिसर्च एनालिस्ट वैभव विदवानी ने कहा कि निफ्टी मेटल, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी फार्मा क्रमशः 1.22 प्रतिशत, 1.13 प्रतिशत और 1.03 प्रतिशत की बढ़त के साथ बेहतर प्रदर्शन करने वाले क्षेत्रों में से कुछ थे। विदवानी ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर धातु की बढ़ती मांग ने धातु क्षेत्र में आशावाद को बढ़ावा दिया है। जबकि, निफ्टी रियलिटी हरे रंग में है क्योंकि बाजार में मजबूत आवास मांग निवेशकों को रियलिटी शेयरों में आकर्षित कर रही है। निफ्टी पर शीर्ष लाभ पाने वालों में एसबीआई लाइफ इंश्योरेंस, एचडीएफसी लाइफ, अदानी एंटरप्राइजेज, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज और जेएसडब्ल्यू स्टील थे। जबकि, घाटे में रहने वालों में कोल इंडिया, ओएनजीसी, बीपीसीएल, टेक महिंद्रा और एलटीआईमाइंडट्री थे।

एलकेपी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ तकनीकी विश्लेषक रूपक डे ने कहा कि सकारात्मक कारोबारी सत्र के बाद निफ्टी बढ़त के साथ समाप्त हुआ, लगातार सकारात्मक धारणा बनी रही, क्योंकि यह लगातार 19,500 के महत्वपूर्ण समर्थन स्तर से ऊपर बंद हुआ। उन्होंने कहा, व्यापारियों को गिरावट के दौरान खरीदारी पर विचार करने की सलाह दी जाती है, जब तक निफ्टी 19,500 से ऊपर रहता है। हालांकि, 19,500 से नीचे की गिरावट संभावित रूप से व्यापारियों के बीच घबराहट पैदा कर सकती है। ऊपर की ओर देखें, तो 19,850 से ऊपर की बढ़त 20,000 और उससे आगे की ओर तेजी ला सकती है।

एआई कौशल सीखने में 73 प्रतिशत अधिक समय बिताती है भारतीय जेन जेड जेनरेशन

नई दिल्ली।

एक रिपोर्ट से यह बात सामने आई है कि भारत में जेन जेड पेशेवर अपने पुराने समकक्षों की तुलना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कौशल हासिल करने में अधिक रुचि रखते हैं। वह यह सीखने के लिए अन्य पीढ़ियों की तुलना में 73 प्रतिशत अधिक समय खर्च करते हैं। वैश्विक पेशेवर नेटवर्किंग प्लेटफॉर्म लिंक्डइन के अनुसार, जेन जेड, जेन एक्स की तुलना में 1.3 गुना अधिक और बेबी बूमर्स की तुलना में 2.4 गुना अधिक समय बिता रहे हैं।लिंक्डइन इंडिया के कंट्री मैनेजर आशुतोष गुप्ता ने कहा, अपस्किलिंग अब सिर्फ एक विकल्प नहीं रह गया है, बल्कि एआई की पूरी क्षमता का दोहन करने के लिए नेतृत्व और समस्या समाधान जैसे महत्वपूर्ण मानव कौशल विकसित करने पर नए सिरे से ध्यान केंद्रित करना जरूरी है। रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि दिसंबर 2022 से सितंबर 2023 तक वैश्विक एआई वार्तालाप में 70 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। भारत में शिक्षार्थियों के बीच पसंदीदा कौशल पीढ़ी दर पीढ़ी अलग-अलग होते हैं, जबकि जेन जेड प्रोग्रामिंग लैंग्वेज, क्लाउड कंप्यूटिंग और डेटा विश्लेषण जैसे डिजिटल कौशल सीख रहे हैं, मिलेनियल्स और जेन एक्स नेतृत्व और प्रबंधन, व्यक्तिगत प्रभावशीलता और विकास जैसे सॉफ्ट कौशल में निवेश कर रहे हैं। एआई द्वारा नियमित कार्यों को संभालने के साथ, पेशेवरों के पास अन्य प्रकार के सार्थक और रचनात्मक कार्यों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर होता है, जिनके लिए सॉफ्ट स्किल की आवश्यकता है, जो केवल इंसानों के पास होती है। रिपोर्ट से पता चला है कि एपीएसी में, जिन तकनीकी पेशेवरों ने कठिन कौशल के अलावा एक या अधिक सॉफ्ट कौशल विकसित किया है, उन्हें केवल कठिन कौशल रखने वाले कर्मचारियों की तुलना में 13 प्रतिशत से अधिक तेजी से पदोन्नति मिलती है। भारत में, एआई और एआई से संबंधित नौकरी पोस्टिंग में सबसे अधिक मांग वाले सॉफ्ट स्किल में संचार, विश्लेषणात्मक कौशल और बिक्री शामिल हैं। चूंकि, जेनरेटिव एआई में विकास संस्कृतियों, भौगोलिक क्षेत्रों और उद्योगों में बाधाओं को तोड़ने का एक बड़ा अवसर प्रदान करता है, यह हाइब्रिड कार्य सेटिंग्स के दायरे को बढ़ा रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि संगठन पहले से ही लचीलेपन की मांग का जवाब दे रहे हैं, भारत में हाइब्रिड जॉब पोस्ट अगस्त 2022 में 13.2 प्रतिशत से बढ़कर अगस्त 2023 में 20.1 प्रतिशत हो गई हैं।

गौतम सिंघानिया की पत्नी ने तलाक के लिए मांगे 8,745 करोड़ रुपए

(एजेंसी)

दीवाली के अगले दिन उद्योगपति और रेमंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन एवं एम.डी. गौतम सिंघानिया के तलाक की खबर आई थी। वह अपनी पत्नी नवाज मोदी सिंघानिया से शादी के 32 साल बाद तलाक लेने जा रहे हैं। अब खबर है कि तलाक के लिए उनकी पत्नी ने भारी-भरकम शर्त रख दी है और गौतम सिंघानिया से उनकी कुल नैटवर्थ का 75 प्रतिशत मांग लिया है। गौतम सिंघानिया की नैटवर्थ 1.4 अरब डॉलर (करीब 11,660 करोड़ रुपए) है। इस लिहाज से नवाज मोदी सिंघानिया ने तलाक के एवज में सिंघानिया परिवार से 8,745 करोड़ रुपए की मांग की है। इस बारे में जानकारी रखने वाले सूत्रों के हवाले से पता चला है कि नवाज मोदी सिंघानिया ने यह रकम अपने और अपनी दो बेटियों निहारिका एवं नीसा के लिए मांगी है। सूत्रों का कहना है कि गौतम सिंघानिया मोटे तौर पर इस मांग पर सहमत हो सकते हैं। लेकिन संपत्ति का यह हिसाब-किताब सीधे-सीधे नहीं होगा। बल्कि उन्होंने एक फैमिली ट्रस्ट बनाने का सुझाव दिया है। इसी ट्रस्ट के पास परिवार की सारी संपत्ति और एसैट का मालिकाना हक होगा। वह इस ट्रस्ट के इकलौते ट्रस्टी होंगे। उनकी मौत के बाद उनके परिवार के सदस्यों को इसका वसीयतनामा बनाने का हक होगा। हालांकि नवाज मोदी सिंघानिया के इस व्यवस्था पर राजी होने की संभावना न के बराबर है।

ओपनएआई से इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों को नौकरी देगा सेल्सफोर्स

नई दिल्ली।

एंटरप्राइज सॉफ्टवेयर प्रमुख सेल्सफोर्स के अध्यक्ष और सीईओ मार्क बेनिओफ ने मंगलवार को ओपनएआई से इस्तीफा देने वाले कर्मचारियों को नौकरी की पेशकश की। दरअसल, माइक्रोसॉफ्ट द्वारा पूर्व सीईओ सैम ऑल्टमैन और पूर्व अध्यक्ष ग्रेग ब्रॉकमैन को काम पर रखने के बाद 500 से ज्यादा ओपनएआई कर्मचारियों ने इस्तीफा देने की धमकी दी है। एक्स पर एक पोस्ट में, बेनिओफ ने कहा कि यदि आपका आप्रवासन अब ओ1, एच1बी, या अन्य वीजा पर ओपनएआई से प्रभावित है, तो सेल्सफोर्स ओपनएआई को छोड़ने वाले लोगों की पूरे कैश और इक्विटी ओटीई (ओपन ट्रेड इक्विटी) का मिलान करेगा, और फिर सिल्वियो सावरेज के तहत हमारी सेल्सफोर्स आइंस्टीन विश्वसनीय एआई रिसर्च टीम में शामिल हो जाएंगे। सेल्सफोर्स सीईओ ने लिखा, मुझे अपना सीवी सीधे भेजें। आइंस्टीन इस सप्ताह 1 ट्रिलियन पूर्वानुमानित और जेनरेटिव लेनदेन पूरा करने वाला सबसे सफल एंटरप्राइज एआई प्लेटफॉर्म है! हमारी विश्वसनीय एआई एंटरप्राइज रिवॉल्यूशन में शामिल हों। सेल्सफोर्स ने इस साल जेनरेटिव आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) स्टार्टअप्स में निवेश करने के लिए 500 मिलियन डॉलर का वादा किया है। यह निवेश, जो पहले 250 मिलियन डॉलर से बढ़कर अब 500 मिलियन डॉलर हो गया है, रिस्पांसिबल जेनेरिक एआई विकसित करने वाले स्टार्टअप का समर्थन करने के लिए इसके जेनरेटिव एआई फंड का हिस्सा है। सेल्सफोर्स वेंचर्स के मैनेजिंग पार्टनर पॉल ड्यूज के अनुसार, इससे कंपनी को और भी अधिक उद्यमियों के साथ काम करने, उद्यम के लिए परिवर्तनकारी एआई समाधानों के विकास में तेजी लाने में मदद मिलेगी। ड्यूज ने जून में कहा, हम पहले से ही एआई को दुनिया के काम करने के तरीके में बदलाव देख रहे हैं, और हम अपने जेनरेटिव एआई फंड की गति को आगे बढ़ाने के लिए उत्साहित हैं। सेल्सफोर्स ने एआई क्लाउड की भी घोषणा की, जो सभी अनुप्रयोगों और वर्कफ्लो में विश्वसनीय, खुले और वास्तविक समय के जेनरेटर अनुभव प्रदान करने के लिए अनुकूलित क्षमताओं का एक सूट है।

कॉर्पोरेट समानता पथप्रदर्शक- डॉ. रश्मी सलूजा कॉर्पोरेट लिंग भेदभाव विरासत की शिकार

नई दिल्ली।

ऐसे परिदृश्य में जहां सरकार भारत में महिला सशक्तीकरण का समर्थन करती है, जो महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए महिला आरक्षण विधेयक जैसी पहल का प्रतीक है, कॉर्पोरेट क्षेत्र लगातार लैंगिक पूर्वाग्रहों से ग्रस्त है। इन विधायी प्रयासों के बावजूद, नेतृत्व के पदों पर महिलाओं के खिलाफ भेदभाव जारी है। हाल ही में रेलिगेयर एंटरप्राइजेज लिमिटेड की कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. रश्मी सलूजा का भेदभाव के साथ टकराव कॉर्पोरेट क्षेत्र में महिलाओं द्वारा सामना किए जाने वाले व्यापक संघर्ष का प्रतीक बन गया है। असमानता की विरासत कायम है, लेकिन डॉ. सलूजा बहादुरी से इस ज्वार के खिलाफ खड़े हुए हैं, जो कॉर्पोरेट परिदृश्य में लैंगिक समानता के लिए चल रही लड़ाई में एक महत्वपूर्ण क्षण है। डॉ. सलूजा के सामने आने वाली चुनौतियों के बावजूद, रेलिगेयर बोर्ड दृढ़ता से उनकी शेयर बिक्री और कंपनी की अभूतपूर्व वृद्धि में योगदान का बचाव करता है। आरोप न केवल डॉ. सलूजा को निशाना बनाते हैं, बल्कि पूरे प्रबंधन और बोर्ड को भी कमजोर करते हैं, जिन्होंने पिछले पांच वर्षों में रेलिगेयर को ऋण मुक्त संगठन बनाने की दिशा में अथक प्रयास किया है। डॉ. सलूजा की कहानी भारत में महिला नेताओं द्वारा सामना किए जाने वाले भेदभाव की व्यापक कहानी से मेल खाती है। मामाअर्थ की गज़ल अलघ और शुगर कॉस्मेटिक्स की विनीता सिंह जैसी प्रमुख हस्तियों को उनके महत्वपूर्ण योगदान के बावजूद समान चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। लाल बहादुर शास्त्री प्रबंधन संस्थान की अनुप्रिया सिंह के लिंग आधारित शोध के अनुसार, बोर्ड स्तर पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व मात्र दो प्रतिशत है। डॉ. सलूजा की यात्रा अपने आप में कड़ी मेहनत और प्रतिबद्धता का प्रमाण है; ऐसे गुण जिन्होंने उसे संगठन के भीतर वह नेतृत्व प्रदान किया, जिसकी वह चहेती बनी। हालांकि, यह समाज का पितृसत्तात्मक ताना-बाना है, जिसने उनकी उपलब्धियों और उनके व्यक्तित्व पर एक अन्यायपूर्ण छाया डाली है। आरोपों के जवाब में, डॉ. सलूजा ने एक प्रवक्ता के माध्यम से कहा, ÷हाल के आरोप सिर्फ मुझ पर हमला नहीं हैं, बल्कि पूरे नेतृत्व और बोर्ड पर हमला हैं। हम पारदर्शिता और निष्पक्षता के प्रति अपनी प्रतिबद्धता पर कायम हैं।

यूएस एसईसी ने क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म क्रैकन पर किया मुकदमा

वाशिंगटन।

अपंजीकृत सिक्योरिटीज एक्सचेंज, ब्रोकर, डीलर और क्लियरिंग एजेंसी के रूप में काम करने को लेकर यूएस सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन ने क्रिप्टो ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म क्रैकन पर आरोप लगाए हैं। एसईसी की शिकायत के अनुसार कम से कम सितंबर 2018 से क्रैकेन ने क्रिप्टो एसेट्स सिक्योरिटीज की खरीद और बिक्री की सुविधा देकर अवैध रूप से सैकड़ों मिलियन डॉलर कमाए हैं। एसईसी के प्रवर्तन प्रभाग के निदेशक गुरबीर एस ग्रेवाल ने कहा, हमारा आरोप है कि क्रैकेन ने सिक्योरिटीज लॉ का अनुपालन करने के बजाय निवेशकों से करोड़ों डॉलर वसूलने का व्यावसायिक निर्णय लिया। उस निर्णय के चलते व्यापार मॉडल में हितों का टकराव पैदा हो गया, जिससे निवेशकों के धन को जोखिम में डाल दिया गया।उन्होंने एक बयान में कहा, निवेशकों की सुरक्षा के बजाय क्रैकन का अवैध लाभ का विकल्प वह है, जिसे हम इस क्षेत्र में अक्सर देखते हैं, और हम क्रैकन को उसके गलत काम के लिए जिम्मेदार ठहरा रहे हैं और दूसरों को अनुपालन में आने के लिए संदेश भेज रहे हैं। एसईसी ने आरोप लगाया कि क्रैकेन ने कानून द्वारा आवश्यक आयोग के साथ इनमें से किसी भी कार्य को पंजीकृत किए बिना एक्सचेंज, ब्रोकर, डीलर और क्लियरिंग एजेंसी की पारंपरिक सेवाओं को आपस में जोड़ा। उन्होंने कहा कि इन कार्यों को पंजीकृत करने में क्रैकेन की कथित विफलता ने निवेशकों को महत्वपूर्ण सुरक्षा से वंचित कर दिया है, जिसमें एसईसी द्वारा निरीक्षण, रिकॉर्ड-कीपिंग आवश्यकताओं और हितों के टकराव के खिलाफ सुरक्षा उपाय शामिल हैं। इस साल फरवरी में, क्रैकन ने क्रिप्टो परिसंपत्ति स्टेकिंग सेवाओं या स्टेकिंग कार्यक्रमों के माध्यम से प्रतिभूतियों की पेशकश या बिक्री बंद करने और 30 मिलियन डॉलर का नागरिक जुर्माना अदा करने पर सहमति व्यक्त की। एसईसी ने पहले दुनिया के कुछ सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज कॉइनबेस और बिनेंस पर मुकदमा दायर किया था।

टाइटन 3,000 से ज्यादा कर्मचारियों को करेगी हायर, पांच साल में कंपनी उठाएगी बड़े कदम

मुंबई:

टाइटन कंपनी की अगले पांच साल में इंजीनियरिंग, डिजाइन, लक्जरी, डिजिटल, डेटा विश्लेषण, विपणन और बिक्री सहित अन्य क्षेत्रों में 3,000 से अधिक कर्मचारियों की नियुक्ति की योजना है। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। कंपनी को डेटा विश्लेषण, साइबर सुरक्षा, उत्पाद प्रबंधन, डिजिटल मार्केटिंग और अन्य नए जमाने के कौशल जैसे क्षेत्रों के लिए कुशल पेशेवरों की तलाश है। टाइटन कंपनी की प्रमुख (मानव संसाधन-कॉरपोरेट और खुदरा) प्रिया एम. पिल्लई ने कहा, ''हम अगले पांच साल में 1,00,000 करोड़ रुपए का कारोबार बनने के लिए एक रोमांचक यात्रा शुरू कर रहे हैं। अगले पांच साल में हम 3,000 नए लोगों को जोड़ेंगे। उन्होंने कहा, ''हमारा मानना है कि अपने लोगों को आगे बढ़ाने के साथ यदि हम विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ लाते हैं, तो यह अच्छा होगा। इससे हमारी वृद्धि और नवोन्मेषण तेज होगा। उद्योग में हमारी स्थिति और मजबूत होगी। फिलहाल कंपनी के कार्यबल का 60 प्रतिशत महानगरों में कार्यरत है। वहीं 40 प्रतिशत दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में है।

Sports

अंतर्राष्ट्रीय सत्र का शानदार अंत करना चाहते हैं भारतीय एयर, पिस्टल निशानेबाज

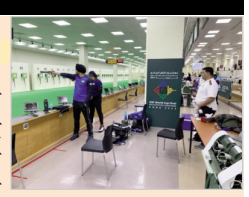

नई दिल्ली। 12 सदस्यीय भारतीय शूटिंग दल दोहा, कतर में आयोजित होने वाले सीज़न-एंड इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फेडरेशन (आईएसएसएफ) विश्व कप फाइनल (डब्ल्यूसीएफ) में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार है।टॉप-15 रैंक वाले अंतर्राष्ट्रीय निशानेबाजों के बीच जबरदस्त मुकाबला खेला जाएगा।मंगलवार को दो फाइनल में से पहला मुकाबला पुरुषों में सरबजोत सिंह का होगा। जबकि, महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में ईशा सिंह और दिव्या टी.एस. का लक्ष्य चमचमाती लुसैल शूटिंग रेंज में भारत को गौरव दिलाने के लिए होगा। ईगल के तहत प्री-इवेंट ट्रेनिंग के बाद सरबजोत सिंह ने कहा, यह चार साल बाद होने वाली एक महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता है। जहां साल के सर्वश्रेष्ठ निशानेबाज मैच के लिए एक साथ आते हैं। इसलिए स्वाभाविक रूप से, मैं प्रतियोगिता में अच्छा प्रदर्शन करना चाहूंगा। ईशा सिंह, जो वर्तमान में महिलाओं की एयर पिस्टल में दुनिया में 10वें स्थान पर हैं। उन्होंने भी प्रशिक्षण के बाद अपने विचार साझा करते हुए कहा, मैं उत्साहित हूं क्योंकि यह मेरा पहला विश्व कप फाइनल है और दुनिया के कुछ शीर्ष निशानेबाज प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं। मैं कोशिश करूंगी कि साल का समापन शानदार तरीके से करूं।

विश्व कप 2023 में रिकॉर्ड तोड़ 12.5 लाख दर्शक पहुंचे

अहमदाबाद।

आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 ने अब तक के सबसे अधिक दर्शकों वाला आईसीसी आयोजन बनकर इतिहास रच दिया है, जब 1,205,307 प्रशंसक सबसे बड़े क्रिकेट विश्व कप को देखने के लिए टर्नस्टाइल से गुजरे और ऑस्ट्रेलिया ने उल्लेखनीय छठा खिताब जीता. छह मैच बचे थे और रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में खचाखच भरी भीड़ के सामने विश्व कप के समापन के साथ ही दर्शकों की संख्या पहले ही दस लाख के आंकड़े को पार कर चुकी थी और गति भी बढ़ती जा रही थी. यह आयोजन 5 अक्टूबर से 19 नवंबर तक चला और प्रशंसकों को कार्रवाई के केंद्र में रखने का वादा किया गया, जिसमें पुरुष क्रिकेट विश्व कप के उद्घाटन मैच के लिए सबसे बड़ी उपस्थिति दर्ज की गई, जब इंग्लैंड ने 2019 के फाइनल की पुनरावृत्ति में न्यूजीलैंड का सामना किया, जिसके बाद सबसे अधिक उपस्थिति उस मैच में दर्ज की गई जब आईसीसी विश्व कप के इतिहास में पाकिस्तान के खिलाफ भारत के मैच में 14 अक्टूबर को प्रशंसकों का हुजूम उमड़ पड़ा था. 12.5 लाख से अधिक प्रशंसकों का आंकड़ा क्रिकेट के इतिहास में एक नया मानदंड है, जो किसी भी अन्य आईसीसी आयोजन की उपस्थिति के आंकड़े से कहीं अधिक है. ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड में आयोजित आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2015 में 1,016,420 दर्शक आए थे, जबकि इंग्लैंड और वेल्स में 2019 संस्करण में 752,000 प्रशंसक आए थे.भारत में आयोजित पुरुष क्रिकेट विश्व कप के 13वें संस्करण ने इन आंकड़ों को पीछे छोड़ दिया है और साथ ही कई प्रसारण और डिजिटल दर्शकों के रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं, जो खेल की वैश्विक पहुंच और लगातार बढ़ती लोकप्रियता को साबित करता है. आईसीसी के इवेंट प्रमुख क्रिस टेटली ने कहा, आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 एक बड़ी सफलता रही है, जिसने खेल के सर्वोत्तम पहलुओं को प्रदर्शित किया और दुनिया भर के करोड़ों प्रशंसकों के दिलों पर कब्जा कर लिया. चौंका देने वाली उपस्थिति क्रिकेट की अपील और एकदिवसीय प्रारूप के रोमांच को दर्शाती है. यह एक ऐसा आयोजन रहा है जिसने न केवल मनोरंजन किया है बल्कि खेल के जश्न में विश्व स्तर पर क्रिकेट प्रशंसकों को एकजुट भी किया है. आईसीसी कार्यक्रम हमारे खेल को आगे बढ़ाने और दुनिया भर के प्रशंसकों और खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. हम उन सभी प्रशंसकों को धन्यवाद देना चाहते हैं जिन्होंने आईसीसी पुरुष क्रिकेट विश्व कप 2023 को इतनी शानदार सफलता दिलाने में योगदान दिया,और भविष्य के आईसीसी आयोजनों में सभी के लिए और अधिक रोमांचक अनुभव साझा करने के लिए तत्पर हैं.

5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए सूर्यकुमार करेंगे टीम इंडिया की कप्तानी

-23 नवंबर को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होगी सिरीज

मुंबई । सूर्यकुमार यादव की कप्तानी में 23 नवंबर से पांच मैचों की टी20 सिरीज शुरु हो रही है। इसके लिए चयनकर्ताओं ने आईसीसी पुरुष एक दिवसीय विश्व कप खेलने वाले अधिकांश शीर्ष खिलो ड़ियों को आराम देने का फैसला किया है। मिली जानकारी के अनुसार सूर्यकुमार यादव 23 नवंबर को विशाखापत्तनम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू होने वाली पांच मैचों की ट्वेंटी 20 अंतर्राष्ट्रीय श्रृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व करेंगे। अहमदाबाद में फाइनल में भारत के ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद रविवार को नरेंद्र मोदी स्टेडियम में हुई राष्ट्रीय चयन समिति की बैठक में सूर्यकुमार यादव, इशान किशन और प्रसिद्ध कृष्णा को छोड़कर सभी खिलाड़ियों को आराम देने का फैसला किया गया, जिन्हें घायल ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या के बदले शामिल किया गया था। चयनकर्ताओं ने सोमवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी 5 मैचों की टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा की। भारत के पूर्व बल्लेबाज और राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) के प्रमुख वी.वी.एस. लक्ष्मण को टीम के कोच के रूप में घोषित किए जाने की संभावना है, क्योंकि मुख्य कोच राहुल द्रविड़, जिनका कार्यकाल विश्े व कप के बाद समाप्त होने वाला है, ने तीन महीने बाद छुट्टी लेने का फैसला किया है। बीसीसीआई ने अपनी एक विज्ञप्ति में बताया कि रुतुराज गायकवाड़ पहले तीन मैचों के लिए सूर्यकुमार यादव के डिप्टी होंगे, जबकि श्रेयस अय्यर रायपुर और बेंगलुरु में आखिरी दो टी20 आई के लिए उप-कप्तान के रूप में टीम में शामिल होंगे। पांच मैच विशाखापत्तनम (23 नवंबर), तिरुवनंतपुरम (26 नवंबर), गुवाहाटी (28 नवंबर), रायपुर (1 दिसंबर) और बेंगलुरु (3 दिसंबर) में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया टी20 आई श्रृंखला के लिए टीम में अधिकांश खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें से जसप्रीत बुमराह नहीं हैं, जिन्होंने विश्े व कप से पहले आयरलैंड के खिलाफ श्रृंखला में देश का प्रतिनिधित्व किया था। टीम में यशस्वी जयसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह और रवि बिश्नोई को वापस लाती है।

ब्लाइंड क्रिकेट में भारत, ऑस्ट्रेलिया के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला की संभावना

नई दिल्ली। क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) के अधिकारियों ने सोमवार को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रिचर्ड मार्ल्स से मुलाकात की। ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री रविवार को भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच वनडे क्रिकेट वर्ल्ड कप का फाइनल मैच देखने के लिए भारत आए थे। सीएबीआई के अध्यक्ष महंतेश जी किवदासनवर और महासचिव शैलेन्द्र यादव ने रिचर्ड मार्ल्स के साथ बातचीत की और प्रशंसा के प्रतीक के रूप में एक ब्लाइंड क्रिकेट गेंद भेंट की। डॉ. महंतेश जीके और शैलेन्द्र यादव ने उप-प्रधानमंत्री को सराहना के तौर पर एक ब्लाइंड क्रिकेट गेंद भेंट की, जो नेत्रहीन क्रिकेट खिलाड़ियों की भावना और कौशल का प्रतीक है। ऑस्ट्रेलिया उपप्रधानमंत्री ने इस अनूठी गेंद को प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की और सीएबीआई ने एक आधिकारिक बयान में कहा, ब्लाइंड क्रिकेट की अवधारणा से उनका पहला परिचय था। अधिकारियों के अनुसार, सीएबीआई और ऑस्ट्रेलिया के उप-प्रधानमंत्री ने भारत और ऑस्ट्रेलिया की दृष्टिबाधित क्रिकेट टीमों के बीच द्विपक्षीय श्रृंखला आयोजित करने की संभावनाओं पर चर्चा की। सीएबीआई के महासचिव शैलेन्द्र यादव ने इस अवसर के लिए आभार व्यक्त किया और नेत्रहीन क्रिकेट के क्षेत्र में दोनों देशों के बीच भविष्य के सहयोग के बारे में अपना आशावाद साझा किया।

कोनमैबोल ने कोपा अमेरिका 2024 के मैचों के लिए स्थानों की घोषणा की

अटलांटा।

कोपा 2024 अमेरिका का फाइनल मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में होगा क्योंकि कोनमैबोल ने टूर्नामेंट के शुरुआती और फाइनल मैचों के लिए स्थानों की घोषणा की है। दुनिया के सबसे पुराने राष्ट्रीय टीम टूर्नामेंट का 48वां संस्करण 20 जून, 2024 को अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में शुरू होगा और 14 जुलाई को मियामी के हार्ड रॉक स्टेडियम में फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। 20 जून 2024 को होने वाला उद्घाटन मैच अटलांटा के मर्सिडीज-बेंज स्टेडियम में खेला जाएगा। एक विश्व स्तरीय स्थल जिसमें 71,000 से अधिक दर्शक बैठ सकते हैं। फाइनल मैच 14 जुलाई 2024 को मियामी गार्डन, फ्लोरिडा में स्थित हार्ड रॉक स्टेडियम में खेला जाएगा। इस वैश्विक मनोरंजन स्थल में 65,300 से अधिक प्रशंसक बैठते हैं और यह मियामी डॉल्फ़िन, फॉर्मूला 1 क्रिप्टो.कॉम मियामी ग्रां प्री, मियामी ओपन टेनिस टूर्नामेंट की मेजबानी करता है। कोपा अमेरिका 2024 में 10 कोनमैबोल टीमें और कॉनकाकाफ़ की 6 अतिथि टीमें शामिल होंगी। टूर्नामेंट के इतिहास में यह दूसरी बार होगा कि यह 16 टीमों की मेजबानी होगी।इसके 2016 संस्करण में भी इतनी ही टीमों की मेजबानी की गई थी, जो संयुक्त राज्य अमेरिका में भी आयोजित की गई थी। क्वार्टरफ़ाइनल 16 से 21 नवंबर तक खेले जाएंगे और प्रत्येक मैच के कुल स्कोर का विजेता कोनमैबोल कोपा अमेरिका 2024 के लिए अर्हता प्राप्त करेगा। क्वार्टर फ़ाइनल के हारने वालों के बीच प्ले-इन के बाद अन्य दो कॉनकाकाफ़ प्रतिभागियों की पुष्टि की जाएगी। यह प्ले-इन मार्च 2024 में होगा। टूर्नामेंट के कार्यक्रम और अन्य मेजबान स्थानों का खुलासा नहीं किया गया। कोपा अमेरिका ड्रा 7 दिसंबर को मियामी में आयोजित किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

मार्नस लाबुशेन को है चमत्कारों में विश्वास, अदृश्य शक्ति को दिया महत्व

अहमदाबाद । ऑस्ट्रेलिया को रिकॉर्ड छठा विश्व कप दिलाने में अहम भूमिका निभाने वाले मार्नस लाबुशेन ने कहा कि मुझे यमत्कारों पर` विश्वास है। उन्होंने कहा कि शुरू में टीम में जगह नहीं मिलने के बाद भी उन्होंने उम्मीद नहीं छोड़ी थी क्योंकि वह हमेशा चमत्कार पर विश्वास करते हैं। इस 29 वर्षीय खिलाड़ी को ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप की शुरुआती 18 सदस्यीय टीम में जगह नहीं दी गई थी। एस्टन एगर के चोटिल होने के कारण उन्हें आखिरी समय में टीम में शामिल किया गया। भारत के खिलाफ रविवार को फाइनल में नाबाद 58 रन बनाने वाले लाबुशेन ने कहा कि मेरे लिए चमत्कारों पर विश्वास नहीं करना कठिन है और कोई ऐसी शक्ति (भगवान) है जो आपके लिए मार्ग प्रशस्त करती है। लाबुशेन में विश्व कप में 10 पारियों में 40।22 की औसत से 362 रन बनाए जिसमें 3 अर्धशतक शामिल हैं। फाइनल में उन्होंने एक छोर संभाले रखा तथा ट्रेविस हेड के साथ 192 रन की साझेदारी करके अपनी टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। लाबुशेन ने हालांकि स्वीकार किया कि उन्हें फाइनल के लिए अंतिम एकादश में अपनी जगह को लेकर पूरा यकीन नहीं था। उन्होंने कहा कि कल रात 10 बजे तक टीम की घोषणा नहीं हुई थी। मुझे नहीं पता था कि मैं खेल रहा हूं या नहीं। मैं अपने बिस्तर पर बैठकर सोच रहा था कि अगर मैं नहीं खेलूंगा तो किस तरह से मैं अपना योगदान दे सकता हूं। संभवतः क्षेत्ररक्षण में मैं अपना योगदान दे सकता हूं। लाबुशेन ने कहा कि इसके बाद सवा 10 बजे टीम की घोषणा कर दी गई और केवल इतना कहा गया कि सेमीफाइनल में खेलने वाली टीम में कोई बदलाव नहीं किया गया है। इससे मुझे थोड़ी राहत मिली, क्यों कि यह किसी चमत्कार का ही हिस्सा था।

विश्व कप जीत के बाद डेविड वार्नर भारत के खिलाफ टी20 सीरीज में नहीं खेलेंगे

विजाग,

ऑस्ट्रेलिया को भारत के खिलाफ टी20 सीरीज के दौरान अपने सबसे मजबूत बल्लेबाजों में से एक की कमी खलेगी, क्योंकि अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर देश की वनडे विश्व कप जीत के बाद स्वदेश लौट जाएंगे। वार्नर, जो अपने सफल विश्व कप अभियान के दौरान 48.63 की औसत से 535 रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया के अग्रणी रन-स्कोरर थे, से उम्मीद की जा रही थी कि वे उपमहाद्वीप में रहेंगे और 23 नवंबर से भारत के खिलाफ शुरू होने वाली टी20 श्रृंखला में भाग लेंगे, लेकिन उन्होंने इसके बजाय अपने अंतिम ग्रीष्मकालीन टेस्ट से पहले घर जाने का विकल्प चुना है। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, ÷चयनकर्ताओं ने फैसला किया है कि वार्नर विश्व कप के सफल लेकिन चुनौतीपूर्ण अभियान के बाद स्वदेश लौटेंगे। उभरते हुए हरफनमौला खिलाड़ी आरोन हार्डी वार्नर के प्रतिस्थापन के रूप में ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल हुए। वार्नर के हटने का मतलब है कि ऑस्ट्रेलिया की विश्व कप विजेता एकदिवसीय टीम के केवल सात खिलाड़ी श्रृंखला के लिए भारत में रहेंगे - सीन एबॉट, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस और एडम ज़म्पा - साथ ही रिजर्व स्पिनर तनवीर सांघा।

यूरो 2024 क्वालीफिकेशन में इटली, चेक गणराज्य और स्लोवेनिया की जगह पक्की

इटली,

चेक गणराज्य और स्लोवेनिया यूईएफए यूरो 2024 में अपना स्थान सुरक्षित करने वाली नई टीमें बन गईं, क्योंकि यूरो 2024 फाइनल में खेलने वाली 24 टीमों में से 20 की पुष्टि हो गई है।

यूरो धारक इटली लीवरकुसेन में एक अंक के साथ ग्रुप सी में दूसरा स्थान पक्का करके यूक्रेन से आगे फाइनल में पहुंच गया। एंड-टू-एंड शुरुआती अवधि के दौरान लुसियानो स्पैलेटी की टीम के पास अधिकांश मौके थे, फेडरिको चियासा और निकोलो बरेला करीब जाने वालों में से थे। जबकि, डेविड फ्रैटेसी को गोलकीपर अनातोली ट्रुबिन ने क्षेत्र के अंदर गोल करने से रोक दिया था। यूक्रेन ने बार-बार जवाबी हमले की धमकी दी, जॉर्जी सुदाकोव ने देखा कि उनके अभियान को अजुर्री नंबर 1 जियानलुइगी डोनारुम्मा ने विफल कर दिया था। तीव्र लेकिन कम उन्मत्त दूसरे हाफ में डोनारुम्मा के महत्वपूर्ण बचाव ने मायखाइलो मुद्रिक को योग्यता के पाठ्यक्रम को बदलने से रोक दिया। यूक्रेन अब प्ले-ऑफ में प्रवेश कर गया है। विशेष रूप से यूक्रेन 2010 में उत्तरी आयरलैंड के बाद यूरो क्वालीफाइंग में इटली को स्कोर करने से रोकने वाली पहली टीम बन गई - 34 मैचों की दौड़। दूसरी ओर चेक गणराज्य ने दस सदस्यीय मोल्दोवा पर 3-0 की

व्यापक जीत के बाद ग्रुप ई में दूसरा स्थान हासिल किया और लगातार आठवें यूरो फाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

डेविड डौडेरा ने केवल 14 मिनट के बाद टॉमस चोरी के पिनपॉइंट पास को इकट्ठा करके चतुराईपूर्ण क्लोज-रेंज फिनिश के साथ मेजबान टीम को आगे कर दिया। मोल्दोवा की वापसी की उम्मीदें तब धूमिल हो गईं जब व्लादिस्लाव बाबोग्लो को 55वें मिनट में दूसरे बुक करने योग्य अपराध के लिए बाहर भेज दिया गया। चेक गणराज्य ने समापन चरण में पूरा फायदा उठाया, चोरी के जोरदार नियर-पोस्ट हेडर और टॉमस सौसेक के सटीक प्रयास के माध्यम से और गोल किए। स्लोवेनिया ने कजाकिस्तान को 2-1 से हराकर दूसरी बार यूईएफए यूरो फाइनल के लिए क्वालीफाई किया, इससे पहले 2000 में ऐसा किया था।

इंग्लैंड के खिलाफ वेस्टइंडीज की वनडे टीम में मैथ्यू फोर्ड, रदरफोर्ड शामिल

सेंट जॉन्स । वेस्टइंडीज की अगले आईसीसी विश्व कप की तैयारी शुरू हो गई है क्योंकि कैरेबियाई टीम ने दिसंबर से इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू मैदान पर शुरू होने वाली तीन मैचों की वनडे सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम घोषित कर दी है, जो 3 दिसंबर से खेली जाएगी। शाई होप टीम का नेतृत्व करेंगे और अल्जारी जोसेफ को नया उप-कप्तान बनाया गया है। टीम में बैटिंग ऑलराउंडर शेरफेन रदरफोर्ड और सीम बॉलिंग ऑलराउंडर मैथ्यू फोर्ड के रूप में दो अनकैप्ड खिलाड़ी हैं, जिन्होंने सीनियर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपना पहला कॉल-अप अर्जित किया है। मुख्य चयनकर्ता डेसमंड हेन्स ने कहा, ÷हमने अल्जारी जोसेफ को उप कप्तान नियुक्त किया क्योंकि उन्होंने हाल ही में सुपर 50 कप के दौरान लीवार्ड आइलैंड्स हरिकेंस के लिए अपने दमदार नेतृत्व गुणों का प्रदर्शन किया था। हमारा मानना है कि प्रदर्शन और अवसरों के साथ वह वेस्टइंडीज क्रिकेट में भविष्य के कप्तान हो सकते हैं। चयन पैनल ने अनुभवी विकेटकीपर-बल्लेबाज शेन डाउरिच और सलामी बल्लेबाज केजॉर्न ओटले को भी वापस बुला लिया, डाउरिच ने मई, 2019 में अपना एकमात्र वनडे खेला था। केजॉर्न ओटले ने जनवरी 2021 में दो वनडे खेले। अनुभवी जेसन होल्डर और सफेद गेंद विशेषज्ञ निकोलस पूरन को क्रमशः टेस्ट अभियान और अगले साल के टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए दरकिनार कर दिया गया है। दो बार के विश्व कप विजेता भारत में हाल ही में समाप्त हुए 50 ओवर के प्रदर्शन के लिए अर्हता प्राप्त करने में विफल रहे और 2027 में दक्षिण अफ्रीका और नामीबिया में होने वाले अगले टूर्नामेंट का हिस्सा होना चाहेंगे। पहले दो वनडे क्रमशः 3 और 6 दिसंबर को एंटीगा के सर विवियन रिचर्ड्स स्टेडियम में होंगे। आखिरी वनडे 9 दिसंबर को बारबाडोस के केंसिंग्टन ओवल में होगा।

प्रो-कबड्डी देखकर कीवी क्रिकेटर इस गेम में हाथ आजमाने को तैयार

मुंबई। न्यूजीलैंड के स्टार तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने खेल जगत में एक नई चर्चा तेज कर दी है। उन्होंने अपने साथियों डेरिल मिचेल और टिम साउदी के साथ मिलकर कबड्डी खेलने का समर्थन किया है। उन्होंने कहा है कि इस खेल के लिए मजबूत पैरों की जरूरत होती है। न्यूजीलैंड के क्रिकेटर बोल्ट, मिचेल सेंटनर और टॉम लाथम को कबड्डी का खेल दिलचस्प लगा जब उन्हें आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के लिए भारत में रहने के दौरान प्रो कबड्डी लीग की कुछ झलकियां दिखाई गई। इस बीच, बोल्ट ने अपने साथियों मिचेल और साउदी को कबड्डी में हाथ आजमाने का समर्थन करते हुए कहा, मैंने इसे कई बार देखा है। मुझे लगता है कि इस खेल के लिए आपको मजबूत पैरों की जरूरत है। मैं इस खेल के लिए डेरिल मिचेल और टिम साउदी का नाम लूंगा। इसके अलावा, सैंटनर ने ग्लेन फिलिप्स को कबड्डी में देखने की संभावना के बारे में अपना उत्साह व्यक्त किया। उन्होंने कहा, मुझमें शायद खेल के लिए फुर्ती है, लेकिन ताकत नहीं है। आपको कबड्डी के लिए चुस्त और मजबूत होने की जरूरत है। लॉकी फर्ग्यूसन अच्छा खेल सकते हैं। उनके पास मजबूत कोर और बड़े पैर हैं।

पीसीबी ने उमर गुल और सईद अजमल को पुरुष टीम का गेंदबाजी कोच नियुक्त किया

लाहौर,

पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को पूर्व खिलाड़ियों उमर गुल और सईद अजमल को पुरुषों की राष्ट्रीय टीम के लिए क्रमशः तेज गेंदबाजी और स्पिन गेंदबाजी कोच नियुक्त किया। पीसीबी ने एक बयान में कहा, नवनियुक्त गेंदबाजी कोचों के उद्घाटन कार्यों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 14 दिसंबर, 2023 से 7 जनवरी, 2024 तक होने वाली टेस्ट श्रृंखला और 12 से 21 जनवरी, 2024 तक न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 श्रृंखला शामिल है। आईसीसी पुरुष एकदिवसीय विश्व कप 2023 की हार के बाद, पीसीबी ने टीम के पूरे प्रबंधन और कोचिंग स्टाफ को बदल दिया है, जिसमें मोहम्मद हफीज को टीम निदेशक, वहाब रियाज को मुख्य चयनकर्ता बनाया गया है, जबकि शान मसूद और शाहीन आफरीदी को टेस्ट और टी20 कप्तान नियुक्त किया गया है। . 2003 और 2016 के बीच 47 टेस्ट और 130 एकदिवसीय मैचों में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करने वाले गुल ने पहले अफगानिस्तान के खिलाफ टी20 श्रृंखला और उसके बाद घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के दौरान पुरुष टीम के लिए गेंदबाजी कोच के रूप में काम किया था। वह पिछले पाकिस्तान सुपर लीग (पीएसएल) सीज़न में क्वेटा ग्लैडियेटर्स के लिए गेंदबाजी कोच और आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेट विश्व कप 2022 में अफगानिस्तान के गेंदबाजी कोच भी रहे हैं।

गुल ने कहा, मैं पाकिस्तान टीम के गेंदबाजी कोच के रूप में शामिल होकर खुश हूं और पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ द्वारा पाकिस्तान क्रिकेट में योगदान करने का अवसर दिए जाने पर सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पुरुष टीम के साथ काम करने का पिछला अनुभव होने के कारण, मैं अपनी कोचिंग लाऊंगा। पूर्व विश्व नं. नंबर 1 एकदिवसीय गेंदबाज अजमल, जिन्होंने 35 टेस्ट, 113 एकदिवसीय और 64 टी20 में पाकिस्तान का प्रतिनिधित्व किया, तीनों प्रारूपों में 447 विकेट लिए, उन्होंने पीएसएल फ्रेंचाइजी इस्लामाबाद यूनाइटेड के साथ स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में भी काम किया। मैं

पीसीबी प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जका अशरफ द्वारा स्पिन गेंदबाजी कोच के रूप में सेवा करने के लिए प्रदान किए गए अवसर के लिए वास्तव में सम्मानित और आभारी हूं। मुझे पाकिस्तान की राष्ट्रीय टीम के भीतर स्पिन गेंदबाजी प्रतिभा के विकास में योगदान देने में खुशी हो रही है। मुझे विश्वास है कि मेरा करियर और कोचिंग का अनुभव टीम के स्पिन गेंदबाजी शस्त्रागार को बढ़ाने में मदद करेगा।

ब्राजील अंडर17 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में

जकार्ता। एस्टेवाओ विलियन के दो और लुइघी हनरी के एक गोल की बदौलत ब्राजील ने यहां इक्वाडोर को 3-1 से हराकर अंडर-17 फीफा विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, मध्य जावा प्रांत के मनाहन स्टेडियम में ब्राजील के खिलाड़ियों ने इक्वाडोर के 15 की तुलना में 21 शॉट लगाए। पहले हाफ के दौरान इक्वाडोर के लिए माइकल बरमूडेज़ ने एक गोल किया। ब्राजील के उत्साहित कप्तान विटोर रीस ने अंतिम सीटी बजने पर कहा, हम जानते थे कि यह आसान नहीं होगा। डिफेंडर ने कहा, हमने उनके खिलाफ चार मैच खेले हैं और चार सीधे ड्रॉ रहे हैं। वे सभी बहुत कठिन खेल रहे हैं। हमने आज मौकों का फायदा उठाया और मुस्कुराते हुए चले आये। सोमवार को उसी स्थान पर आयोजित 16वें राउंड के एक अन्य मैच में, क्विम जुनिएंट और मार्क गुइउ के गोल की बदौलत स्पेन ने जापान को 2-1 से हरा दिया। बार्सिलोना का सितारा नायक साबित हुआ क्योंकि स्पेन ने जापान की कड़ी रक्षापंक्ति को मात देकर जर्मनी या अमेरिका के साथ क्वार्टर फाइनल की तारीख पक्की कर ली। गुइउ एक बार फिर स्पेन के लिए हीरो रहे क्योंकि बार्सिलोना के स्टार ने 74वें मिनट में विनर गोल करके जापान की जिद्दी टीम को डुबो दिया। स्पेन, जिसने अंतिम-16 चरण में अपना 100 प्रतिशत रिकॉर्ड जारी रखा है, अब अंतिम 16 में अमेरिका या जर्मनी से भिड़ेगा। इस बीच, जापान लगातार चौथे टूर्नामेंट में इस चरण में घर लौट रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

उच्च शिक्षा में ऊंची उड़ान के लिए

उच्च शिक्षा हासिल कर विश्वविद्यालय-कॉलेजों में अध्यापन के क्षेत्र में कैरियर बनाने के इच्छुक युवाओं के लिए आनेवाला समय संभावनाओं से भरा है. नये केंद्रीय विश्वविद्यालयों के खुलने और विभिन्न विश्वविद्यालयों में नयी रिक्तियां आने से यह क्षेत्र काफी आकर्षक बन गया है. लेकिन दूसरे क्षेत्रों के उलट यह क्षेत्र लंबी और समर्पण भरी तैयारी की मांग करता है. आइए जानें कैसे बढ़ाएं कदम शिक्षा की इस आकर्षक दुनिया में.

पिछले दिनों एमफिल और पीएचडी करने के बाद भी उम्मीदवारों को एकेडेमिक्स क्षेत्र में कदम बढ़ाने के लिए नेट उत्तीर्ण होने की अनिवार्यता पर बहस छिड़ी थी. अंतत- इस शर्त को मान लिया गया. कहा गया कि मौजूदा समय में फैकल्टी की भारी कमी के कारण यह फैसला लिया गया है. सैम पित्रौदा की रिपोर्ट में कहा गया है कि देश में पहले से ही 1,500 विश्वविद्यालय हैं और अभी 14 नयी इनोवेशन यूनिवर्सिटीज खुलनी हैं. लेकिन मौजूदा विश्वविद्यालयों में ही फैकल्टी की कमी होने से नये विश्वविद्यालय इस स्थिति से कैसे निबटेंगे, यह समझना मुश्किल है. फिर भी उच्च शिक्षा की ओर कदम बढ़ाते समय अधिकांश युवाओं के जेहन में सपना होता है कि वे आनेवाले समय में कॉलेज, विश्वविद्यालय में पढ़ायेंगे. विश्वविद्यालय में पढ़ाने के लिए न्यूनतम योग्यता के बारे में तो सब जानते हैं, पर उस योग्यता के साथ नौकरी पक्की नहीं होती है. इस क्षेत्र में सफलता अर्जित करने के लिए उम्मीदवारों को लगातार अपनी योग्यता में इजाफा करना होता है.

कॉलेज और विश्वविद्यालयों में पढ़ाने की शुरुआत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद से होती है. ज्यादातर जगहों पर आ रही रिक्तियों के विज्ञापन से पता चलता है कि इस पद के लिए चयन अब प्वॉइंट सिस्टम के माध्यम से होगा. डीयू, एएमयू के अलावा कई विश्वविद्यालयों में छात्रों की स्क्रीनिंग करने के लिए एकेडमिक एक्सीलेंस के विभिन्न पायदानों को प्वॉइंट सिस्टम के अंतर्गत रखा गया है.पिछले दिनों आपने अखबार में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू), अलीगढ़ मुसलिम विश्वविद्यालय (एएमयू) आदि में असिस्टेंट प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, प्रोफेसर आदि के लिए रिक्तियां देखी होंगी. यहां हम आपको विस्तार से जानकारी दे रहे हैं उन योग्यताओं के बारे में, जिन्हें हासिल कर आप विश्वविद्यालय, कॉलेज आदि में पढ़ाने के लिए अपनी सीट पक्की कर सकते हैं.

एमफिल से मिलता है मौका

अगर आपका लक्ष्य तय है, तो आप मास्टर्स करने के बाद एमफिल यानी मास्टर्स ऑफ फिलॉस्फी के लिए आवेदन कर सकते हैं. मास्टर्स में 55 फीसदी अंक धारक इसके लिए आवेदन करने के योग्य होते हैं. मास्टर्स के बाद एमफिल करने का निर्णय लेना आपकी उम्मीदवारी के लिए एक बेहतर कदम जरूर साबित होगा. पीएचडी के बाद पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च आपके बायोडाटा में चार चांद लगाता है. अगर उम्मीदवार ने पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च कर लिया है, तो उसे कॉलेज, विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए अलग से प्वॉइंट मिलते हैं, जिससे वह उस सीट का मजबूत दावेदार बन जाता है.

पब्लिकेशन पर दें ध्यान

बस इतना ही नहीं. एमफिल, पीएचडी, रिसर्च, पोस्ट डॉक्टोरल रिसर्च के दौरान किये गये शोध और नयी स्थापनाओं को आप पेपर के रूप में पब्लिश कराएं. किताब लिखना या किताब का कोई अध्याय लिखना भी आपको प्वाइंट दिलाता है. आपके कितने पेपर पब्लिश हुए हैं, प्वॉइंट सिस्टम में इसके भी प्वॉइंट्स मिलते हैं. अखबारों के लिए लिखे गये लेखों को भी प्वाइंट दिया जाता है. इसलिए अपने ज्ञान को न सिर्फ बढ़ाएं, बल्कि इसके अच्छे जगह से प्रकाशन पर भी ध्यान दें.

कैसा है प्वॉइंट सिस्टम

प्वॉइंट सिस्टम को बेहतर ढंग से समझने के लिए आपके सामने एक उदाहरण प्रस्तुत है. दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) में आपकी प्रोफाइल के साथ ही प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर पद के लिए प्वॉइंट सिस्टम लागू किया जाता है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए 100 प्वॉइंट्स अलग से दिये जाते हैं.

कॉलेज में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 55 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे कम पर 12 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे कम अंक पर 16 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के 10, पीएचडी के 17, नेट के लिए सात और नेट-जेआरएफ के 10 प्वॉइंट मिलते हैं.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 25 प्वॉइंट. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए तीन और एक, बुक्स ऑथरशिप के लिए छह, बुक्स एडिटिंग के लिए चार, किताबों में चैप्टर्स के लिए दो, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए दो या एक, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए एक प्वॉइंट मिलता है. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए अधिकतम 20 प्वॉइंट्स मिलते हैं.

यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट में असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए

एकेडेमिक क्वालिफिकेशन के लिए 47 प्वॉइंट दिये जाते हैं. इसमें अंडर ग्रेजुएट में 60 फीसदी या उससे ज्यादा के लिए 10 प्वॉइंट, पोस्ट ग्रेजुएशन में 60 फीसदी या उससे ज्यादा अंक पर 15 प्वॉइंट मिलते हैं. एमफिल के पांच, पीएचडी के 17, नेट के लिए तीन और नेट-जेआरएफ के पांच मिलते हैं. अगर एमफिल और पीएचडी दोनों की है या इंटीग्रेटेड कोर्स के रूप में किया है, तो दोनों योग्यता के लिए कुल 17 प्वॉइंट दिये जायेंगे.

रिसर्च पब्लिकेशन के लिए कुल 33 प्वॉइंट्स मिलते हैं. रिसर्च पेपर या रिव्यू आर्टिकल या कांफरेंस प्रोसीडिंग के लिए पांच और दो, बुक्स ऑथरशिप के लिए आठ, बुक्स एडिटिंग के लिए छह, किताबों में चैप्टर्स के लिए चार, बुक्स या आर्टिकल्स ट्रांसलेटेड और पब्लिश्ड के लिए चार या दो, बुक रिव्यू या पॉपुलर आर्टिकल या न्यूजपेपर आर्टिकल के लिए दो प्वॉइंट्स मिलेंगे. पोस्ट पीएचडी रिसर्च अनुभव / टीचिंग अनुभव के लिए 20 प्वॉइंट्स मिलेंगे.

क्या है न्यूनतम योग्यता

देश के किसी भी कॉलेज या विश्वविद्यालय में असिस्टेंट प्रोफेसर के तौर पर पढ़ाने के लिए मास्टर्स डिग्री में कम से कम 55 फीसदी अंकों का होना जरूरी होता है. (अनुसूचित जाति, जनजाति और विकलांग उम्मीदवारों के लिए 50 फीसदी) साथ ही यूजीसी/ सीएसआइआर द्वारा आयोजित नेशनल एलिजिबिलिटी टेस्ट (नेट)/ राज्यों द्वारा आयोजित किये जानेवाले स्टेट लेवल एलिजिबिलिटी टेस्ट (स्लेट) / स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट फॉर लेक्चररशिप (सेट) पास होना भी आवश्यक है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करने के लिए मास्टर्स डिग्री के साथ 2009 रेग्युलेशंस के अनुसार पीएचडी धारक प्रतिभागियों को नेट / स्लेट / सेट से छूट (एग्जेंपशन) मिलती है.

पीएचडी दिलाये एक्स्ट्रा प्वॉइंट

यदि एकेडमिक्स की ओर जाना ही आपका लक्ष्य है, तो मास्टर्स करने के बाद खुद को अच्छे संस्थान से पीएचडी के लिए तैयार करें. इसके लिए आपको अपनी शोध-रुचि के मुताबिक किसी विषय का चयन करना होगा और खुद को पीएचडी के लिए इनरोल करवाना होगा. अकादमिक जगत में पीएचडी की डिग्री सबसे अहम है. असिस्टेंट प्रोफेसर पद के लिए आवेदन करते समय इसके लिए अलग से प्वॉइंट निर्धारित किये जाते हैं. पीएचडी के बिना नौकरी मिलना मुश्किल है.

रिसर्च और अध्यापन

अध्यापन ही आपका लक्ष्य है, तो बेहतर होगा कि अपनी उम्मीदवारी में प्वॉइंट्स की संख्या बढ़ाने के लिए लगातार शोध से जुड़े रहें. शोध के क्षेत्र में सक्रियता आपको अपने क्षेत्र में अपडेट रखने के साथ ही ज्ञान के विस्तार में भी आपकी मदद करेगा.

कैसे बनाए रखें अपनी नौकरी

रोजगार के अवसरों में गिरावट और बीच में आई आर्थिक मंदी के कारण कंपनियों और उद्योगों ने अपने खर्चो में कटौती करनी शुरू कर दी है। यहां कुछ ऐसी ही जानकारी दी जा रही है, जिसे जानना आपको अपनी योजनाओं पर विचार करने में मदद करेगा।

नौकरियों में कटौती - एक बढ़ता चलन

2,50,000-3,00,000
नौकरियों में कमी आई, ऐसा 12,000 औद्योगिक इकाइयों को घाटे की संपत्ति घोषित करने के कारण हुआ। (2012-13 के इकोनॉमिक सर्वे के अनुसार)

50 लाख
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान नौकरियां गईं (योजना आयोग के मुताबिक)

27,60,000
2005-2010 की पंचवर्षीय अवधि के दौरान बढ़ी हुई नई नौकरियां (योजना आयोग के मुताबिक)

कब करें नौकरी के बारे में चिंता

- अगर आपकी कंपनी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पा रही हो, उसके उत्पाद और सेवाएं पसंद न किए जा रहे हों, आय और लाभ में भारी गिरावट आ गई हो तो नौकरी पर खतरा हो सकता है।
- अगर आप एक दिन में 8 घंटे व्यस्त नहीं रहते और आपके बॉस आपको काम की और जिम्मेदारी न दे रहे हों।
- आपके अधिकतर सहकर्मियों के वेतन में वृद्धि हो रही हो, पर आपको तरक्की या सामान्य बढ़ोतरी भी न मिल रही हो।
- अगर आपके बॉस आपको नजरअंदाज कर रहे हों और अच्छा काम करने पर बधाई देने की बजाय आपसे बात करने से बच रहे हों।

अब आपको क्या करना चाहिए

- आप और बेहतर प्रदर्शन के लिए कमर कस लें, सिर्फ सौंपे हुए काम करने की बजाए दूसरे काम भी करें।
- या फिर नई जॉब ढूंढना शुरू कर दें।

अनुभव के बिना नौकरी पाने में हो सकती है कठिनाई

अच्छी नौकरी पाने के लिए छात्र प्रोफेशनल डिग्री पाने पर तो पूरा जोर देते हैं, लेकिन एक्सपीरियंस हासिल करने के लिए वे ज्यादा मशक्कत नहीं करते. जबकि इन दिनों कंपनियां ऐसे ही कर्मचारियों को नौकरी पर रखना पसंद कर रही हैं, जिनके पास डिग्री के साथ काम का अच्छा अनुभव भी हो.

यूं तो पहले भी कंपनियां नौकरी देने के मामले में अनुभवी कर्मचारियों को प्राथमिकता देती रही हैं, लेकिन अब कंपनियों के लिए आवेदक का कार्यानुभव उसकी डिग्री से भी ज्यादा मायने रखने लगा है.

बिजनेस स्कूलों के एसोसिएशन ग्रेजुएट मैनेजमेंट एडमिशन काउंसिल (जीएमएसी) द्वारा हाल में कराये गये एक सर्वे में यह बात सामने आयी है कि एक्सपीरियंस और इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी के चलते इस वर्ष देश के कई मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिल सकी है. सर्वे में पाया गया कि 2013 में भारत के जिन मैनेजमेंट ग्रेजुएट्स को नौकरी नहीं मिली, उसकी बड़ी वजह इंडस्ट्री एक्सपोजर की कमी रही. तकरीबन 47 फीसदी ग्रेजुएट्स को इस वजह से जॉब नहीं मिल पायी, जबकि 29 फीसदी ने कम वेतन के चलते नौकरी ठुकरा दी. 29 फीसदी ग्रेजुएट्स के लिए जॉब नहीं मिलने का कारण आवश्यकता से ज्यादा क्वालिफाइड होना रहा. इस सर्वे में दुनिया के 129 बिजनेस स्कूलों के कुल 915 छात्रों को शामिल किया गया. इनमें अमेरिका के 433, भारत के 129, लैटिन अमेरिका के 109, बाकी एशिया से 96, ऑस्ट्रेलिया से 89, कनाडा से 25 और मिडिल इस्ट/अफ्रीका रीजन के 20 पूर्व एमबीए छात्रों को शामिल किया गया. ग्लोबल लेवल पर इस साल एमबीए और अन्य मास्टर डिग्री वालों के लिए रोजगार मिलने का ट्रेंड पिछले पांच वर्षो के औसतन हिसाब से बेहतर रहा. कुल मिला कर इस वर्ष तकरीबन 90 फीसदी एमबीए छात्रों को जॉब मिलने में सफलता हाथ लगी. हालांकि, पिछले साल यानी 2012 में तकरीबन 92 फीसदी छात्रों को जॉब मिली थी. हालांकि, पांच वर्ष पहले यह आंकड़ा तकरीबन 84 फीसदी था. इस वर्ष यानी 2013 के क्लास के जॉब आंकड़े अलग-अलग देशों के लिए अलग-अलग रहे. सर्वे में शामिल 95 फीसदी अमेरिकी छात्रों को जॉब मिल गयी, जबकि लैटिन अमेरिका में यह आंकड़ा 87 फीसदी रहा. भारत में 87 फीसदी, यूरोप में 82 फीसदी और एशिया के बाकी देशों में 85 फीसदी छात्र जॉब पाने में सफल हुए. सर्वे के वक्त 2013 में पास होनेवाले 10 फीसदी छात्र बेरोजगार थे, जबकि पिछले साल यह आंकड़ा आठ फीसदी था. सर्वे में शामिल तीन चौथाई (74 फीसदी) छात्रों का कहना था कि उन्होंने अगर एमबीए नहीं किया होता, तो उन्हें जॉब नहीं मिलती.

सहकर्मियों के साथ रिश्ते बेहतर करें

किसी भी व्यक्ति या स्थिति को समझने, विवाद को हल करने तथा विश्वास एवं भरोसे का वातावरण तैयार करने के लिए दूसरे व्यक्ति के साथ प्रभावी संवाद स्थापित करना महत्वपूर्ण होता है। पेश हैं कुछ टिप्स जिनकी सहायता से आप कार्यस्थल पर संवाद बेहतर करके सहकर्मियों के साथ अपने रिश्ते बेहतर कर सकते हैं।

श्रोताओं को जानें

अपने सहकर्मियों की गतिविधियों को देखें तथा बातचीत करने के उनके ढंग को समझने की कोशिश करें। इससे आप उनसे बेहतर ढंग से संवाद स्थापित कर सकते हैं। उदाहरण के लिए जहां कोई सहकर्मी हमेशा मुद्दे की बात करना पसंद करता हो वहीं किसी अन्य को इस तरह की बातचीत में रूखापन महसूस हो सकता है। ऐसा नहीं है कि आपको अपने सहकर्मियों के हिसाब से अपने को बदलते रहना चाहिए लेकिन उनकी आदतों को समझ कर आप उनके साथ बेहतर ढंग से काम कर सकते हैं।

सही माध्यम का इस्तेमाल करें

बेशक कोई छोटा संदेश शीघ्र पहुंचाने के लिए ई-मेल ही काफी होती है परंतु जिन विषयों में काफी कुछ समझाना हो या आपस में विचार सांझे करने हों तो इसके लिए बैठक करना या फोन पर बात करना जरूरी हो जाता है। यदि कोई जरूरी नियम या किसी करार के बारे में बात हो तो बातचीत के बाद इस संबंध में लिखित जानकारी भी मुहैया करवा देनी चाहिए ताकि गलती की या किसी संदेश को गलत समझ लेने की भूल न हो।

स्पष्ट बात करें

अपने सहकर्मी को आप जो बात बताना चाहते हैं वह स्पष्ट, सटीक तथा पूरी होनी चाहिए। सहकर्मियों के बीच संवाद का मकसद कार्य को स्थिर गति से आगे बढ़ाना होता है। ऐसे में आपके संवाद में स्पष्टता बहुत महत्वपूर्ण है। चाहे संवाद लिखित या मौखिक हों आप जो संदेश सामने वाले को देना चाहते हैं वह उसे आसानी से समझ आ जाना चाहिए।

सजग रहें

बातचीत के दौरान गैर-मौखिक संकेतों पर भी गौर करें। सामने वाले के हाव-भाव कैसे हैं, इसके अलावा आपको बातचीत के दौरान अपने हावभाव का भी ध्यान रखना होगा। आंखों से आंखें मिलाकर बातचीत करें। सामने वाले की बात सुनते हुए बीच-बीच में सिर हिलाकर संकेत दिया जा सकता है कि आप उनकी बात को गौर से सुन रहे हैं। ई-मेल भेजने से पहले एक बार गौर से जो लिखा हो, उसे अवश्य पढ़ें ताकि किसी प्रकार की कोई गलती न चली जाए। फोन पर बात करते हुए ई-मेल टाईप न करें।

सामने वाले की भी सुनें

एक अच्छा संवाद स्थापित करने के लिए जरूरी है कि आप अपनी ही न कहते रहें बल्कि सामने वाले की बात भी सुनें और समझें। केवल इसी बात पर अपना ध्यान न केंद्रित रखें कि आपने क्या और कैसे कहना है, सामने वाले की बात को सुनना तथा समझना भी आवश्यक है।

अक्सर बातचीत करें

किसी बड़ी परियोजना पर कार्य करते हुए काफी समय लग सकता है ऐसे में नियमित अंतराल पर बैठकें आयोजित करना बेहतर होगा। समय-समय पर आपस में बातचीत करके परियोजना को बेहतर ढंग से अंजाम दिया जा सकता है इससे गलतफहमियां भी जल्द दूर हो सकती हैं।

हूती विद्रोहियों ने हाइजैकिंग का कथित वीडियो साझा किया

- तुर्की से भारत आ रहे जहाज को किया है हाइजैक

साना। हूती द्वारा किये गए हाइजैक मालवाहक जहाज का कथित वीडियो वायरल हुआ है। दावा किया जा रहा है कि यह वीडियो क्लिप हूती विद्रोहियों ने जारी किया है और जहाज को इजराइली बताया है। इजराइल ने जहाज उनका होने से साफ इंकार किया है और उनका कहना है कि हाईजैक जहाज पर कोई इजराइली नागरिक भी नहीं है। जानकारी अनुसार यमन के हूती विद्रोहियों ने हाइजैक मालवाहक जहाज गैलेक्सी लीडर का एक कथित वीडियो जारी किया है। हूती विद्रोहियों ने इस बात पर जोर दिया है कि जहाज इजरायली है। वहीं दूसरी तरफ इजराइल ने उनका जहाज होने से साफ इनकार किया है अैर कहा हैकि उस जहाज पर उनका कोई नागरिक भी नहीं है। गौरतलब है कि उक्त मालवाहक जहाज तुर्की से भारत की ओर जा रहा था, तभी बीच में उसे हूती विद्रोहियों ने हाइजैक कर लिया। शिप हाइजैक के रोंगटे खड़े कर देने वाले वीडियो क्लिप जारी किये गये हैं। करीब दो मिनट के इस वीडियो क्लिप में शिप हाइजैक को दिखाया गया है। इस वीडियो क्लिप पर देखा जा सकता है कि किस प्रकार से विद्रोही एक हेलीकॉप्टर के जरिये आते हैं और जहाज के डेक पर उतरते हैं। उस वक्त डेक पर कोई नजर नहीं आता है। इसके बाद विद्रोही नारे लगाते हैं और हवा में गोलियां चलाते हुए व्हीलहाउस और नियंत्रण केंद्र पर कब्ज़ा करते हुए, डेक के पार भागते नजर आते हैं। वीडियो में क्रू मेम्बर्स को हाथ ऊपर करते और सरेंडर करते देखा जा सकता है। इसी बीच अन्य विद्रोही जो जहाज पर गोलीबारी करते हुए भागते नजर आते हैं। इस बीच समुद्री सुरक्षा कंपनी अंब्रे और यमनी समुद्री स्रोत के हवाले से खबर आई कि जहाज को फिर से होदेदा प्रांत के यमनी बंदरगाह सलीफ पर भेज दिया गया है। इजराइल ने जहाज हाइजैकिंग की निंदा करते हुए ईरान पर भी निशाना साधा है और उसकी आलोचना की है। इससे पहले हूती प्रवक्ता मोहम्मद अब्दुल सलाम ने सोशल मीडिया पर पोस्ट करते हुए इजराइल से गाजा अभियान को रोकने की मांग की थी और ऐसा नहीं करने पर समुद्री हमले करने की भी धमकी दी थी।

स्वास्तिक निशाना को लेकर एकजुट हुआ इंडो-कनाडियन समुदाय

-प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो से की माफी की मांग

ओटावा । कनाडा में हिंदू विरोधी गतिविधियों के बीच स्वास्तिक को लेकर भी तरह-तरह के भ्रम फैलाए जा रहे हैं। इजरायल और हमास में युद्ध के बीच कनाडा में कई जगहों पर स्वास्तिक जैसा निशान बना पाया गया। इसके बाद प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने भी स्वास्तिक निशान के खिलाफ बयान दिया था। वहीं अब इंडो-कनाडियन समुदाय ने रीक्लेम स्वास्तिक नाम से अभियान शुरू कर दिया है। अभियान में लोग नाजियों द्वारा इस्तेमाल किए गए निशान और स्वास्ति के बीच का अंतर समझा रहा है। इसके अलावा हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध समुदाय में इस निशान की महता के बारे में भी समझा रहे हैं। बता दें कि यहूदियों की कई जगहों पर बीते दिनों धमकी के साथ नाजी वाला निशान बनाया गया। इसके अलावा ओटावा में एक रैली के दौरान भी वैसा ही निशान दिखाया गया। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने इसके बाद सोशल मीडिया पर लिखा, संसद के सामने इस तरह से स्वास्तिक का निशाना दिखाना बर्दाश्त नहीं होगा। इसके अलावा टोरंटो पुलिस की वेबसाइट पर भी स्वास्तिक को हेट सिंबल के रूप में बताकर कहा गया कि अगर कोई इसका इस्तेमाल करता है तब उसपर आपराधिक धाराएं लगेगी। इसके बाद इंडो-कनाडियन समुदाय ने इसका विरोध शुरू किया। कनाडियन ऑर्गनाइजेशन फॉर हिंदू हेरिटेज ऐंड एजुकेशन स्वास्तिक रीक्लेम अभियान शुरू कर दिया। कनाडाई एजेंसियों और पुलिस को भी इसकी जानकारी दी गई और कहा गया कि स्वास्तिक का निशान समृद्धि का परिचायक है और इसका इस्तेमाल पवित्र रूप में मंदिरों, घरों और कार्यालयों में किया जाता है। बोर्ड मेंबर रुची वाली ने कहा, स्वास्तिक कोई घृणा का निशान नहीं है। यह एक प्राचीन निशान है जिसका इस्तेमाल हिंदू, सिख, जैन और बौद्ध करते हैं। नाजियों ने इसका उपयोग कभी नहीं किया। वे एक हुक वाले क्रॉस का इस्तेमाल किया करते थे। स्वास्तिक को गलते उसके साथ जोड़ दिया गया है। यह हिंदूफोबिक हो गया है कि स्वास्तिक को हेट सिंबल बताया जा रहा है। यह समृद्धि और शांति का प्रतीक है। यहूदी समुदाय ने भी इस विचार को माना है। यहूदी संगठन के रिचर्ड मरस्यू ने कहा कि हाल ही में कई रैलियों में नाजियों के निशान को लहराया गया। उन्होंने कहा कि इस मामले को लेकर हिंदू समुदाय के साथ संपर्क में हैं।

अवैध तरीके से पलायन कर रहे 662 लोगों को रोका गया : संरा

त्रिपोली । अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन ने कहा है कि पिछले सप्ताह लीबिया के तट से 662 अवैध तरीके दूसरे देश में जाने की कोशिश कर रहे लोगों को बचाया गया है। संयुक्त राष्ट्र प्रवासन एजेंसी ने कहा, 12-18 नवंबर के बीच 662 प्रवासियों को रोका गया और वे लीबिया लौट आए। संरा के मुताबिक इस साल अब तक 14,894 अवैध प्रवासियों को बचाकर लीबिया लौटा दिया गया। संरा ने बताया कि लीबिया के तट से दूर मध्य भूमध्य मार्ग पर 940 की मौत हुई और 1,248 लोग लापता हुए हैं। हो गए। उल्लेखनीय है कि साल 2011 में मुअम्मर गद्दाफी के पतन के बाद से लीबिया को हिंसा और असुरक्षा का सामना करना पड़ा है। कई प्रवासियों ने लीबिया से यूरोपीय तटों तक भूमध्य सागर पार करने का विकल्प चुना है।

जियांग्सू प्रांत में फैक्ट्री में आग लगने से सात की मौत

नानजिंग । पूर्वी चीन के जियांग्सू प्रांत में एक फैक्ट्री में आग लगने से सात लोगों की मौत हो गई। वूशी शहर में टियांटियनरन टेक्सटाइल एंड टेक्नोलॉजी कंपनी लिमिटेड में करीब साढ़े छह बजे आग लग गई। राहत एवं बचाव कार्य समाप्त होने के बाद सात लोग मृत पाए गए। यह कंपनी 20 वर्षों से अधिक समय से काम कर रही है, और घरेलू बाजार और विदेशी दोनों बाजारों में उत्पाद बेचने वाली एक बड़ी यार्न निर्माता है। दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है।

कुएर्नवाका शहर में गोलीबारी, दो पुलिस अधिकारियों सहित 9 की मौत

कुएर्नवाका। मैक्सिको के कुएर्नवाका शहर में पुलिस और हथियारबंद लोगों के बीच गोलीबारी में दो पुलिस अधिकारियों सहित नौ लोगों की मौत हुई। अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। सुरक्षा एजेंसी ने बयान में कहा कि बंदूकधारी लोगों के एक काफिले द्वारा सड़क पर शराब पी रहे लोगों पर गोलीबारी करने और एक व्यक्ति का अपहरण करने की कोशिश करने के बाद शुरू हुई गोलीबारी में दो अन्य पुलिस अधिकारी घायल हो गए। इसमें कहा गया है कि अपराधी राइफल, बैलिस्टिक जैकेट और रेडियो से युक्त थे और शहर के विभिन्न हिस्सों में पुलिस से भिड़ गए। कुएर्नवाका मैक्सिको सिटी से 50 मील दक्षिण में स्थित है और प्रतिस्पर्धी संगठित अपराध समूहों की हिंसा का गढ़ रहा है।

बुशरा बीबी के पूर्व पति का गंभीर आरोप, मेरी शादीशुदा जिंदगी इमरान ने बर्बाद कर दी

-मेरी इजाजत के बिना घर आकर बुशरा बीबी से मिलते थे

कराची । पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान की पत्नी बुशरा बीबी के पूर्व पति खावर फरीद मानेका ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। दरअसल मानेका ने इमरान खान के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं, और उनकी शादीशुदा जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। मानेका ने कहा कि इमरान ने बुशरा बीबी से शादी के लिए उनकी तलाक की प्रक्रिया को भी जल्दी कराया। मानेका ने बताया कि पिंकी (बुशरा बीबी) ने तलाक से छह महीने पहले ही उनका घर छोड़ दिया था और अपने पिता के घर रहने लगी थीं। मानेका ने कहा कि हमारी शादी 28 साल तक चली। हमारी शादीशुदा जिंदगी काफी खुशहाल थी लेकिन इमरान ने पीर-मुरीदी की आड़ में मेरी शादीशुदा जिंदगी को बर्बाद कर दिया। मानेका ने बताया कि इमरान मेरी इजाजत के बिना भी मेरे घर आते थे। वह इमरान के उनके घर आने और पत्नी से मुलाकात से खुश नहीं थे। मानेका ने बताया कि एक बार उन्होंने अपने घर के नौकर की मदद से इमरान खान को घर से बाहर निकाल दिया था। मानेका का आरोप है कि उनके बुशरा बीबी से तलाक के डेढ़ महीने बात ही इमरान ने बुशरा बीबी से निकाह कर लिया था।

अल्बानिया की सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी डेमोक्रेटिक पार्टी के एक सांसद ने सोमवार को तिराना, अल्बानिया में संसद सत्र के दौरान विरोध के संकेत के रूप में एक रंगीन धुआं बम जलाया।

फिलिस्तीन ने किया दावा, अपने ही लोगों को मार रहा इजरायल

जेरुसलेम । फिलिस्तीन ने दावा किया है कि इजरायल अपने ही लोगों को मार रहा है। जबकि इजरायल के पीएम नेतन्याहू ने इस आरोप को सिरे से खारिज कर दिया है। दरअसल इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने फिलिस्तीनी राष्ट्रीय प्राधिकरण के इस दावे को 'निरर्थक' बताया कि इजरायल ने गाजा के पास एक संगीत समारोह में अपने ही नागरिकों का नरसंहार किया था। नेतन्याहू ने कहा कि यह 'सच्चाई' का पूरा उलट है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी प्राधिकरण का नेतृत्व राष्ट्रपति महमूद अब्बास करते हैं। राष्ट्र के नाम अपने संबोधन में नेतन्याहू ने कहा कि 'महमूद अब्बास ने पहले प्रलय के अस्तित्व से भी इनकार किया था, उन्होंने हमास के अस्तित्व से भी इनकार किया था, जिसने 7 अक्टूबर को इजरायल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया था।' उन्होंने आगे कहा कि 'आज, रामल्लाह में फ़िलिस्तीनी प्राधिकरण ने पूरी तरह से बेतुकी बात कही। उसने इस बात से इनकार किया कि यह हमास था जिसने गाजा के पास पार्टी में भयानक नरसंहार को अंजाम दिया था। उसने वास्तव में इजरायल पर उस नरसंहार को अंजाम देने का आरोप लगाया। यह सच्चाई से पूरी तरह उलट है। जिन्होंने अतीत में नरसंहार के अस्तित्व से इनकार किया था, आज हमास नरसंहार के अस्तित्व से इनकार कर रहे हैं और यह अस्वीकार्य है।' पीएम नेतन्याहू ने कहा कि फिलिस्तीन के राष्ट्रपति की टिप्पणी स्वीकार्य नहीं है, और यह इस क्षेत्र में शांति हासिल करने का तरीका भी नहीं है। उन्होंने आगे कहा कि 'मेरा लक्ष्य है कि हमास को नष्ट करने के अगले दिन, गाजा में कोई भी भावी नागरिक प्रशासन नरसंहार से इनकार नहीं करेगा, अपने बच्चों को आतंकवादी बनने के लिए शिक्षित नहीं करेगा, आतंकवादियों के लिए भुगतान नहीं करेगा और अपने बच्चों को यह नहीं बताएगा कि जीवन में उनका अंतिम लक्ष्य क्या है, इजरायल का विनाश और विघटन को देखना। नेतन्याहू ने कहा कि यह स्वीकार्य नहीं है और यह शांति हासिल करने का तरीका भी नहीं है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में फिर भारत ने मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा

वाशिंगटन (एजेंसी)। इजराइल और हमास के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है, इस जंग में अब तक 12 हजार से अधिक लोगों की मौत हो गई। इस बीच, भारत ने मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा। साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन प्रयासों की भी सराहना की है, जिनका उद्देश्य तनाव कम करना और फलस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में पूर्ण सत्र की अनौपचारिक बैठक में संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा कि भारत का संदेश स्पष्ट और सुसंगत रहा है। उन्होंने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन सभी प्रयासों का स्वागत करता है, जो संघर्ष को कम करने की दिशा में प्रयास करते हैं और फलस्तीनियों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करने में सक्षम बनाते हैं।

उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के सभी स्वरूपों का दृढ़ता से विरोध करते हैं। स्पष्ट रूप से हिंसा के खिलाफ हैं और अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का पालन करने के पक्ष में हैं। साथ ही यह सुनिश्चित करते हैं कि आगे और तनाव बढ़ने से रोका जाए, मानवीय सहायता जारी रहे, सभी बंधकों को बिना शर्त रिहा किया जाए। इसके अलावा, सभी पक्ष शांति एवं स्थिरता की जल्द बहाली की दिशा में काम करें। कंबोज ने कहा कि भारत मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों का भी स्वागत करता है।

माल्टा द्वारा तैयार किए गए प्रस्ताव के पक्ष में 12 वोट

पिछले हफ्ते, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने पूरे गाजा में तत्काल मानवीय आधार पर युद्ध विराम का आह्वान किया ताकि गाजा पट्टी में मदद पहुंचाई जा सके। इसके लिए पंद्रह सदस्यीय परिषद ने पिछले बुधवार को एक प्रस्ताव पारित किया था, जिसमें हमास और अन्य समूहों, विशेष रूप से बच्चों द्वारा बंधक बनाए गए सभी लोगों की तत्काल और बिना शर्त रिहाई के साथ-साथ तत्काल मानवीय पहुंच सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया था।

संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में कंबोज ने 70 टन आपदा राहत सामग्री पहुंचाने सहित फलस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता देने की भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इसमें दो किस्तों में 17 टन दवाएं और चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं।

इजरायल और हमास की जंग में चीन को मिला युद्ध खत्म कराने का मौका

-अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल करेगा बैठक

बीजिंग (एजेंसी)। इजरायल-हमास की जंग में चीन को युद्ध खत्म करने के लिए चर्चा कराने का मौका मिल रहा है। जानकारी मिली है कि इसी बीच चार बड़े इस्लामिक देश चीन में बैठक करने जा रहे हैं। इसमें पेलेस्टाइन (फिलिस्तीन) अथॉरिटी के प्रतिनिधिमंडल शामिल होने जा रहे हैं। संभावनाएं जताए जा रही हैं कि इस बैठक के दौरान संघर्ष को शांत करने पर बड़ी चर्चाएं हो सकती हैं। खास बात है कि चीन जारी युद्ध को खत्म करने की अपील कर रहा है। अरब और इस्लामी देशों के विदेश मंत्रियों का एक प्रतिनिधिमंडल 20 से 21 नवंबर तक चीन के दौरे पर रहेगा। हमास और इजरायल युद्ध के बीच इस बैठक को काफी अहम माना जा रहा है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माओ निंग ने कहा कि प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों में सऊदी विदेश मंत्री प्रिंस फैसल बिन फरहान अल सऊद, जॉर्डन के उप प्रधान मंत्री और विदेश मंत्री अयमान सफादी, मिस्र के विदेश मंत्री समेह शौकरी, इंडोनेशियाई विदेश मंत्री रेटनो मार्सुडी, फिलिस्तीनी विदेश मंत्री रियाद अल-मलिकी और इस्लामिक सहयोग संगठन के महासचिव हिसेन ब्राहिम ताहा शामिल हैं।

इस दौरान माओ ने कहा कि यात्रा के दौरान, चीन मौजूदा फिलिस्तीनी-इजरायली संघर्ष को कम करने, नागरिकों की रक्षा करने और फिलिस्तीनी प्रश्न का उचित समाधान खोजने के तरीकों पर प्रतिनिधिमंडल के साथ गहन संचार तथा समन्वय करेगा। चीन ऐतिहासिक तौर पर फिलिस्तीन का हमदर्द रहा है और द्विराष्ट्र के समाधान का समर्थन करता रहा है। बीते महीने भी विदेश मंत्री वांग यी ने फिलिस्तीन अथॉरिटी के विदेश मंत्री रियाद अल मालिकी से बात की थी। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार फिलिस्तीन के लिए बीजिंग अपनी सहानुभूति व्यक्त करता है। जो बाइडेन ने कहा कि वह वेस्ट बैंक में फिलिस्तीनी नागरिकों पर हमला करने वाले इजरायली चरमपंथियों पर वीजा प्रतिबंध लगाने जा रहे हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, बाइडेन ने कहा कि हम शांति के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वेस्ट बैंक को एक फिलिस्तीनी प्राधिकरण शासन के अधीन होना चाहिए। बाइडेन ने कहा कि इस क्षेत्र में फिलिस्तीनी नागरिकों खिलाफ चरमपंथी हिंसा रुकनी चाहिए और हिंसा करने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। यहां हिंसा करने वाले इजरायली नागरिकों पर अमेरिका वीजा प्रतिबंध लगा सकता है। अगर ऐसा होता है तो 2021 में सत्ता संभालने के बाद इजरायल के खिलाफ अमेरिका का ये सबसे कड़ा कदम होगा।

महासागर के सबसे गहरे बिंदु तक पहुंचने वाले पहले व्यक्ति डॉन वॉल्श का निधन

ओरगॉन । महासागर के सबसे गहरे बिंदु तक पहुंचने वाले सबसे पहले समुद्री खोजकर्ता एवं नौसेना के सेवानिवृत्त कैप्टन डॉन वॉल्श का 92 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। उनकी बेटी एलिजाबेथ वॉल्श ने कहा कि वॉल्श का निधन मर्टल पॉइंट, ओरेगॉन स्थित उनके घर पर हुआ। जनवरी 1960 में अमेरिकी नौसेना के तत्कालीन लेफ्टिनेंट वॉल्श और स्विस इंजीनियर जैक्स पिकार्ड को 150 टन वजनी पनडुब्बी बाथिसकैफ के जरिये सतह से लगभग 7 मील (11 किलोमीटर) नीचे समुद्र में भेजा गया था। दोनों प्रशांत महासागर में गुआम से लगभग 200 मील (320 किलोमीटर) दूर 35,800 फुट (11,000 मीटर) तक उतरे जो कि महासागरों का सबसे गहरा बिंदु है। यह बिंदु दुनिया की सबसे गहरी समुद्री खाई 'मारियाना ट्रेंच' का हिस्सा है। सतह पर 20 मिनट बिताने के बाद वह वापस आ गए थे।

पाकिस्तान में अल्लाह-हू-अकबर पार्टी से आतंकी का बेटा लड़ेगा चुनाव

-हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद तहरीक पार्टी से बनेगा उम्मीदवार, तैयारियां तेज

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान में साल 2024 में होने वाले आम चुनाव में आतंकी और लश्कर-ए-तैयबा का संस्थापक हाफिज सईद का बेटा तल्हा सईद ने चुनाव लड़ने का फैसला किया है। इसके लिए चुनावी तैयारियां शुरु कर दी गई है। गौरतलब है कि तल्हा सईद को भारत सरकार द्वारा आतंकवादी घोषित किया गया है। तल्हा इस बार होने वाले चुनाव में अल्लाह-हू-अकबर तहरीक पार्टी से ताल ठोक रहा है। पाकिस्तान में अगले वर्ष के शुरू में होने वाले चुनावों में कुख्यात आतंकवादी और कथित तौर पर पाकिस्तान की जेल में बंद हाफिज सईद के बेटे तल्हा शाहिद ने चुनाव की कमान संभाल ली है। दिलचस्प बात यह है कि हाफिज सईद के कथित तौर पर जेल में होने के चलते उसके पास आतंकवादी संगठन लश्करे तैयबा की कमान भी है। हाफिज सईद के रहते हुए भी वह लश्कर में नंबर दो की पोजीशन पर था। गौरतलब है कि तल्हा का नाम अनेक आतंकवादी गतिविधियों में आ चुका है और वह काफी पहले से अपने आतंकवादी संगठन के लिए फंड इकट्ठा करने का काम किया करता है। इससे पहले हाफिज सईद का दामाद साल 2018 में चुनाव लड़ा था। हालांकि तल्हा सईद पहली बार चुनाव नहीं लड़ रहा है। इससे पहले 2018 में ही अपने पिता के गृह नगर सरगोधा से चुनाव लड़ चुका है।

फीडम फ्लोटिला: इजराइल की घेराबंदी में जुटे तुर्की सहित 40 देश

-13 साल पहले भी हुई ऐसी कोशिश

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायल-हमास युद्ध के बीच करीब एक हजार नाव बुधवार को तुर्की से गाजा की ओर रवाना होगी। इन नावों पर 40 देशों के करीब 4500 लोग सवार हैं, जो इजरायली नाकाबंदी तोड़ने और इजरायल के समुद्री व्यापार को बाधित करने की कोशिश करने वाले है। एक दशक पहले भी इसतरह की एक कोशिश हुई थी, इस इजरायल ने नाकाम कर दिया था। नई कोशिश उसी की पुनरावृति है। इस मुहिम को फ्रीडम फ्लोटिला नाम दिया गया है। इसके आयोजकों में से एक, वोल्कन ओकू ने संकेत दिया कि करीब 1000 नौकाओं में 40 देशों के 4,500 लोग सवार हैं। जिसमें इजरायल विरोधी यहूदी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि 1,000 नौकाओं में 313 नावें रूसी कार्यकर्ताओं से भरी होंगी और 104 स्पेनिश कार्यकर्ताओं से भरी होंगी। उन्होंने बताया कि केवल 12 तुर्की जहाज फ्लोटिला में शामिल होगा।

हालाँकि, ओकू ने बाद के ट्वीट में कहा कि उन्हें उम्मीद है कि तुर्की के नौकाओं की संख्या और अधिक होगी और वह करीब 1,000 तक हो सकती हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह पहल तुर्की सरकार से जुड़ी नहीं है। ओकू ने संकेत दिया कि फ्लोटिला गुरुवार को तुर्की तटों को छोड़ देगा और समुद्री काफिला इजरायली बंदरगाह अशदोद की ओर बढ़ने से पहले साइप्रस में पहला पड़ाव बनाएगा। बकौल ओकू फ्लोटिला में कुछ प्रतिभागी कथित तौर पर अपने जीवनसाथी और बच्चों को भी ले जाएंगे।

ओकू ने कहा कि ऑपरेशन का मकसद इजरायली तट से अशदोद बंदरगाह की ओर जाने वाले समुद्री व्यापार के अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में व्यवधान पैदा करना होगा, ताकि इजरायल को माल की आपूर्ति एक सप्ताह या यहां तक कि 10 दिनों तक बाधित हो सके। विरोध की यह कार्रवाई मई 2010 में इसी तरह की गाजा फ्रीडम फ्लोटिला के प्रयास की याद दिलाती है, जिसने हमास-नियंत्रित गाजा पट्टी पर समुद्री नाकाबंदी को तोड़ने की कोशिश की थी, लेकिन इजरायली नौसेना ने इस नाकाबंदी को रोक दिया था।

13 साल पहले जब इस तरह के काफिले को इजरायली नौसेना ने अशदोद बंदरगाह की तरफ जाने से रोक दिया था, तब काफिले के लोग इजरायली नौसेना के आदेशों की धज्जियां उड़ाते हुए इजरायली कमांडो के जहाजों में से एक, मावी मरमारा पर चढ़ गए थे, जिसमें 600 से अधिक यात्री सवार थे। उस शिप पर हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें इजरायली कमांडो की गोलीबारी में तुर्की के 10 कार्यकर्ता मारे गए थे और 10 इजरायली सैनिक घायल हो गए थे।

तुर्की कार्यकर्ता ने कहा कि इस मुहिम में अमेरिका, ब्रिटेन, लक्जमबर्ग, रूसी, जर्मनी, स्पेन, पोलैंड और कई अन्य देशों की नौकाएं भी शामिल होंगी और उन पर इन देशों के झंडे लगे हैं। कार्यकर्ता ने कहा कि लक्जरी नावें भी फ्लोटिला में शामिल होंगी और यूरोप और संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रतिभागी इसमें शामिल होने के लिए औसतन 14,000 डॉलर खर्च कर रहे हैं।

मालदीव में मौजूद 75 भारतीय सैनिकों से नए राष्ट्रपति को क्या है दिक्कत?

-मुइज्जू ने शपथ के बाद किरेन रिजिजू से कर दी क्या मांग

माले (एजेंसी)। मालदीव के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत सरकार से देश से अपने सैन्य कर्मियों को वापस लेने का औपचारिक अनुरोध किया। राष्ट्रपति ने कहा कि सितंबर में हुए राष्ट्रपति चुनाव में मालदीव के लोगों ने उन्हें भारत से अनुरोध करने के लिए एक मजबूत जनादेश दिया था और उम्मीद जताई कि भारत मालदीव के लोगों की लोकतांत्रिक इच्छा का सम्मान करेगा। भारत के मंत्री किरेन रिजिजू मुइज्जू के शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कहा जा रहा है कि उन्होंने उनके साथ इस मामले पर चर्चा की। राष्ट्रपति ने रिजिजू के साथ अपनी बैठक के दौरान मालदीव में चिकित्सा निकासी और नशीली दवाओं की तस्करी विरोधी उद्देश्यों के लिए विमान संचालन के लिए मौजूद भारतीय सैन्य कर्मियों का मुद्दा उठाया।

कौन हैं मोहम्मद मुइज्जू?

मुइज्जू ने इस साल अक्टूबर में राष्ट्रपति चुनाव जीता और उनकी जीत देश में विदेशी शक्तियों की भूमिका को लेकर चल रही बड़ी बहस के बीच हुई है। मालदीव हिंद महासागर में स्थित एक छोटा द्वीप देश है, और लगभग 500,000 लोगों का घर है। करीब एक दशक से चीन उसके साथ संबंध प्रगाढ़ करने का प्रयास कर रहा है। यह अवधि दक्षिण एशियाई क्षेत्र सहित चीन के उदय और उसकी शक्ति के प्रक्षेपण के साथ मेल खाती है। लंबे समय से भारत मालदीव को अपने क्षेत्रीय प्रभाव क्षेत्र का हिस्सा मानता रहा है। मालदीव के ताकतवर पूर्व राष्ट्रपति मौमून अब्दुल गयूम ने कई वर्षों तक भारत के साथ घनिष्ठ संबंध बनाए रखे। 2008 के चुनावों में उनकी हार के साथ, नए नेताओं के चुनाव अभियान में विदेश नीति एक महत्वपूर्ण तत्व बन गई है। 2008 में, मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) के मोहम्मद नशीद ने जीत हासिल की। एमडीपी और उसके शीर्ष नेताओं, विशेषकर नशीद को भारत समर्थक के रूप में देखा जाता था। जब अब्दुल्ला यामीन 2013 और 2018 के बीच राष्ट्रपति रहे तो भारत और मालदीव के बीच संबंध काफी खराब हो गए। 2018 में सोलिह के सत्ता में आने के बाद ही नई दिल्ली और माले के बीच संबंधों में सुधार हुआ। सोलिह लगातार भारत के साथ संबंधों को बढ़ावा देने पर ध्यान केंद्रित कर रहे थे और ÷इंडिया फर्स्ट÷ नीति पर चल रहे थे। अपने चुनाव के बाद मुइज्जू ने कहा था कि उनके हिंद महासागर द्वीपसमूह देश में मौजूद सभी भारतीय सैन्यकर्मियों को बाहर निकालना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। हालांकि, इसके साथ ही मुइज्जू ने कहा कि वह भारतीय सुरक्षा कर्मियों की जगह चीनी कर्मियों को नहीं लेंगे।

इंडिया आउट अभियान क्या है?

जिसे 'इंडिया आउट' अभियान के नाम से जाना जाता है, वह 2020 के आसपास मालदीव में कुछ जमीनी विरोध प्रदर्शनों के साथ शुरू हुआ और बाद में संबंधित हैशटैग के साथ वाक्यांश का उपयोग करके सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर व्यापक रूप से फैल गया। यह आरोप लगाया गया था कि नई दिल्ली ने मालदीव में एक बड़ी सैन्य टुकड़ी भेजी है, इस दावे का सोलिह सरकार ने बार-बार खंडन किया है। स बीच, भारत और मालदीव ने मालदीव तटरक्षक बल के लिए उथुरु थिलाफाल्हू (यूटीएफ) एटोल पर एक बंदरगाह विकसित करने के लिए भी सहयोग गहरा किया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

खालिस्तान समर्थक नारे का आरोपी मालक सिंह पकड़ा गया

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने खालिस्तान के समर्थन में नारे लिखने के आरोपी मालक सिंह को हिरासत में ले लिया है। मिली जानकारी के अनुसार पंजाब और हरियाणा में तलाशी के बाद, दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने सितंबर में आईएसबीटी फ्लाईओवर की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे जाने के मामले में लगभग 35 साल की उम्र के एक व्यक्ति को हिरासत में लिया है। सूत्रों ने बताया कि प्रतिबंधित एसएफजे के संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने उन्हें पैसे की पेशकश की थी। शख्स की पहचान मालक सिंह के रूप में हुई है और उसे हरियाणा के कुरूक्षेत्र से हिरासत में लिया गया। सूत्रों ने बताया कि उसे सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) के हैंडलर गुरपतवंत सिंह पन्नू ने नौकरी के लिए धन-संबंधी लाभ का वादा किया था। इस तरह की पूरी साजिश का पर्दाफाश करने के लिए मालक सिंह से पूछताछ की जा रही है। सितंबर में, दिल्ली पुलिस ने एक घटना के बाद आईपीसी की उचित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया था, जिसमें कश्मीरी गेट फ्लाईओवर के नीचे की दीवारों पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे पाए गए थे।

लश्कर-ए-तैयबा को इजराइल ने आंतकी संगठन घोषित किया -भारत की बड़ी कटूनीतिक जीत

नई दिल्ली ।इजराइल और हमास के बीच संघर्ष को शुरू हुए अब डेढ़ माह से ज्यादा समय हो चुका है। इसमें करीब 12 हजार लोगों की जान जा चुकी है। इस बीच भारत ने इजराइल पर हुए हमले की कड़ी निंदा कर आतंकवाद तक करार दे दिया। अब इजराइल ने आतंक को लेकर भारत की दृढ़ता का समर्थन कर पाकिस्तानी आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा को अपनी आतंकी संगठनों की सूची में शामिल किया है। भारत में इस्त्राइली दूतावास ने मंगलवार को इसकी जानकारी दी। इस्त्राइली दूतावास की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि 26/11 के मुंबई हमलों की 15वीं बरसी के मद्देनजर इजराइल ने लश्कर-ए-तैयबा को आतंकी संगठन घोषित करने का फैसला किया है। इस बारे में भारत सरकार की तरफ से इजराइल से कोई अपील नहीं की, इसके बावजूद देश की तरफ से खुद यह कदम उठाया गया है। इजराइली दूतावास ने कहा कि इस लेकर सभी तरह के जरूरी दस्तावेजी कार्यवाही और सत्यापन पूरा कर लिया गया है और इसके बाद अब लश्कर-ए-तैयबा इस्त्राइल की अवैध आतंकी संगठनों की सूची में शामिल हो गया है। गौरतलब है कि मुंबई में 26 नवंबर 2008 को लश्कर-ए-तैयबा के 10 आतंकवादियों ने मुंबई को बम विस्फोटों और गोलीबारी से दहला दिया था। इस आतंकी हमले में 166 लोग मारे गए थे और 300 से ज्यादा लोग घायल हुए थे।यह हमला 29 नवंबर तक चला था। इसमें नौ आतंकवादी भी मारे गए थे और जिंदा पकड़े गए आतंकवादी कसाब को बाद में फांसी दी गई थी। पाकिस्तानी आतंकियों ने यहूदियों के उपासना स्थल चबाड हाउस (नरीमन हाउस) को भी निशाना बनाया था। दो हमलावरों ने यहूदियों को बंधक बना लिया था। यहां उन्होंने रब्बी गैब्रिएल होल्ट्जबर्ग और उनकी गर्भवती पत्नी रिवकाह होल्ट्जबर्ग सहित छह लोगों की हत्या कर दी थी। इस घटना की इजरायल ने कड़ी निंदा की थी।

दूसरे राज्य की एफआईआर पर भी मिल सकती है, अग्रिम जमानत

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को एक फैसला दिया है उसके अनुसार अन्य राज्य में दायर एफआईआर पर गृह राज्य के सत्र न्यायालय तथा हाई कोर्ट से अग्रिम जमानत के लिए आवेदन किया जा सकता है।अग्रिम जमानत न्यायालयों द्वारा दी जा सकती है। इसमें क्षेत्राधिकार कोई बाधा नहीं है। न्यायमूर्ति बीबी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्जवल भुईया की पीठ ने अपने आदेश में कहा,कि जीवन के अधिकार और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा संवैधानिक अनिवार्यता है इसको ध्यान में रखते हुए अदालतों को सीआरपीसी की धारा 438 के तहत सुरक्षा के रूप में अंतरिम अग्रिम जमानत देनी चाहिए। खंडपीठ ने बेंगलुरु के सत्र न्यायाधीश के फैसले के खिलाफ दायर विशेष अनुमति याचिका पर सुनवाई के पश्चात यह आदेश जारी किया है।सत्र न्यायालय ने याचिका कर्ता महिला के आरोपी पति को अग्रिम जमानत याचिका की अनुमति दी थी। जबकि उसके खिलाफ राजस्थान में एफआईआर दर्ज थी। पति के ऊपर दहेज मांगने का आरोप लगाया गया था। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है, कि आवेदक के मौलिक अधिकार की रक्षा के लिए अप्रत्याशित आदेश दिया जा सकता है। लेकिन यह असाधारण परिस्थितियों में ही स्वीकार किया जाना चाहिए।सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में अधिकार क्षेत्र के बीच क्षेत्रीय संबंध और निकटता स्थापित करने की आवश्यकता पर जोर दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि अग्रिम जमानत के लिए कोई भी आरोपी दूसरे राज्य की यात्रा करे,यह उचित नहीं है।

पीएम मोदी के साथ सीएम योगी को बम से उड़ाने की धमकी, मुंबई पुलिस ने आरोपी को किया गिरफ्तार

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समेत उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी भरा फोन मुंबई पुलिस कंट्रोल रूम को आया। फोन करने वाले ने खुद को दाऊद इब्राहिम का आदमी होने का दावा किया। इससे पुलिस बल में हड़कंप मच गया। आखिरकार पुलिस ने जांच कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. आपको बता दें कि पिछले कुछ महीनों से मुंबई पुलिस के कंट्रोल रूम को लगातार धमकी भरे फोन कॉल और ई-मेल आ रहे हैं. सोमवार रात एक अज्ञात व्यक्ति ने पुलिस कंट्रोल रूम में फोन किया। आरोपी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बम से उड़ाने की धमकी दी। आरोपी यहीं नहीं रुका, उसने मुंबई के जेजे अस्पताल को भी बम से उड़ाने की धमकी दी। कॉल करने वाले आरोपी ने दावा किया कि मैं कुख्यात गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम का आदमी हूं। इसलिए पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया. पुलिस ने तुरंत जांच शुरू किया आरोपी का पता लगाकर मुंबई के चूनाभट्टी इलाके से 29 साल के एक संदिग्ध आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. गिरफ्तार आरोपी का नाम कामरान खान है. इस धमकी का असली मकसद क्या है इसकी जांच आजाद मैदान पुलिस कर रही है.

डीएम की कार से कुचलकर महिला समेत तीन लोगों की मौत

-दरभंगा से मधेपुरा जाते समय हुआ हादसा, गुस्साई भीड़ ने कार पर किया हमला

मधुबनी। फुलपरास पुरवारी टोला के पास मधेपुरा डीएम की कार से भयानक हादसा हो गया। इस हादसे में एक महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। डीएम अरविंद कुमार ने तीन लोगों के मरने की पुष्टि की है। डीएम की कार हादसे के समय दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी। बिहार के मधुबनी में

मंगलवार 21 नवंबर की सुबह मधेपुरा डीएम की कार से फुलपरास पुरवारी टोला के पास कुछ लोग कुचल गये। इस हादसे में महिला समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इस घटना में घायल हुए अन्य तीन लोगों की हालत गंभीर बताई जा रही है। घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। यह घटना सुबह करीब सात से आठ बजे के बीच की बताई जा रही है। घटना के संबंध में जानकारी देते डीएम अरविंद कुमार ने तीन लोगों की मौत होने की पुष्टि की है। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि दो से तीन लोग घायल हुए हैं, जिन्हें एंबुलेंस में इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया है। मामला संवेदनशील होने के कारण उन्होंने घटना की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बाद ही कोई बयान जारी करने को कहा है। जानकारी अनुसार मधेपुरा के वर्तमान डीएम विजय प्रकाश मीणा की कार दरभंगा से मधेपुरा की ओर जा रही थी। इसी बीच रास्ते में हादसा हो गया। इस हादसे में डीएम की कार रेलिंग से टकरा गई। इस हादसे में मरने वाले तीन लोगों में एक महिला, एक बच्चा और एक मजदूर शामिल है। गंभीर रुप से घायल हुए लोगों को इलाज के लिए फुलपरास रेफरल अस्पताल से डीएमसीएच रेफर किया गया है। वहीं हादसे से आक्रोशित भीड़ ने एनएच-57 में जाम लगा दिया और डीएम की कार में तोड़-फोड़ कर दी। हादसे के बाद कार चालक समेत सवार लोग घटना स्थल से फरार हो गए।

तेलंगाना के मुख्यमंत्री ने राज्य को कर्ज के बोझ में डुबो दिया: केंद्रीय मंत्री सीतारमण

हैदराबाद, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने मंगलवार को आरोप लगाया कि 2014 में अपने गठन के समय राजस्व अधिशेष रहा तेलंगाना अब राजस्व घाटे वाला प्रदेश बन गया है और इसके लिए मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव जिम्मेदार हैं। सीतारमण ने तेलंगाना विधानसभा चुनाव में मल्काजगिरि से भाजपा के उम्मीदवार एन रामचंद्र राव के सम्मान में आयोजित एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि तेलंगाना की अगली दो से तीन पीढ़ियां कर्ज चुकाती रहेंगी।

वित्त मंत्री ने कहा कि तेलंगाना एक ऐसा राज्य है जो शराब, पेट्रोल और डीजल को जीएसटी के दायरे में लाने का विरोध कर रहा है और यदि इन्हें जीएसटी के तहत लाया जाता है तो दरें उचित हो जाएंगी। उन्होंने कहा, ''राजस्व अधिशेष (2014 में) रहा राज्य अब राजस्व घाटे वाला राज्य बन गया है। इसका श्रेय केसीआर को जाता है। आज तेलंगाना कर्ज में डूबा है। अगली दो से तीन पीढ़ियों में हमारे बच्चों को इस कर्ज को चुकाना होगा।'' वित्त मंत्री ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि संप्रग सरकार में हमारे सैन्य कर्मियों को न केवल बुलेट-प्रूफ जैकेट से, बल्कि अन्य सुरक्षा उपकरणों से भी वंचित रखा गया था और उन 10 सालों में कोई खरीद नहीं की गई। राफेल लड़ाकू विमानों की खरीद के संबंध में सीतारमण ने कहा कि यह सरकारों के बीच समझौता था और तय कार्यक्रम के अनुसार सभी विमानों की आपूर्ति की गई है।

सीतारमण ने कहा, ''राष्ट्रीय हित में फैसले लिए जाते हैं। कोई रिश्वत का लेनदेन नहीं हुआ या किसी कंपनी के साथ हमने सौदेबाजी नहीं की।'' भाजपा प्रत्याशी रामचंद्र राव के लिए मतदान करने की अपील करते हुए सीतारमण ने कहा कि वह पार्टी के निष्ठावान नेता हैं और उनकी स्वच्छ छवि है।

राम मंदिर का उद्घाटन कल्याण सिंह की पत्नी से कराया जाए

-सपा नेता जमीरुल्लाह ने क्यों रखी यह मांग

अलीगढ़। अयोध्या राम मंदिर में 22 जनवरी को राम लला की प्राण प्रतिष्ठा की जाना है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को खास तौर पर आमंत्रित किया गया है। ऐसे में समाजवादी पार्टी के नेता और अलीगढ़ से दो बार विधायक रहे जमीरुल्लाह खान ने मांग की है कि राम मंदिर का उद्घाटन उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की पत्नी से कराया जाना चाहिए। सपा नेता जमीरुल्लाह का कहना है, कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान किसी ने भी पद नहीं छोड़ा था, लेकिन उन्होंने (कल्याण सिंह) राम मंदिर के लिए मुख्यमंत्री की कुर्सी पर भी लात मार दी थी। इसलिए राम मंदिर का उद्घाटन दिवंगत कल्याण सिंह की पत्नी से कराया जाना चाहिए। यह उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि होगी। सपा से पूर्व विधायक जमीरुल्लाह का यह बयान इसलिए भी अहम माना जा रहा है, क्योंकि समाजवादी पार्टी का शीर्ष नेतृत्व इस मुद्दे पर अब तक बचकर बयान देता रहा है। जमीरुल्लाह का कहना है, कि राम मंदिर आंदोलन के दौरान सिर्फ इकलौते शख्स बाबूजी (कल्याण सिंह) ने त्याग दिया था। गौरतलब है कि अयोध्या राम मंदिर उद्घाटन की तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं। निमंत्रण को लेकर भी रोज ही कोई न कोई खबर आ रही है। राममंदिर के मुख्य ट्रस्टी और महासचिव चंपत राय का कहना है कि 22 जनवरी को हाई सिक्योरिटी के प्रबंध किए गए हैं। चूंकि समारोह में आमंत्रितों को लेकर भी खबरें आम हो चली हैं। ऐसे में उन्होंने कहा कि मुख्य समारोह के लिए आमंत्रित व्यक्तियों की लिस्ट भी तैयार की जा रही है। महासचिव राय ने बताया कि वाराणसी के पुजारी राधे श्याम दीक्षित ने 22 जनवरी की तारीख दी है और उसी दिन अनुष्ठान भी होगा।

समिति ने वन नेशन, वन इलेक्शन को बताया देशहित का मामला

-पैनल चीफ रामनाथ कोविंद ने रायबरेली में मीडिया से बातचीत में गिनाए फायदे

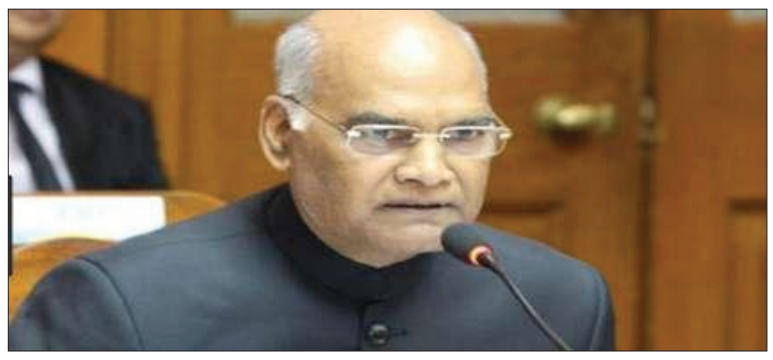

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश में वन नेशन, वन इलेक्शन का प्रस्ताव लागू होता है तो इससे केवल सरकार ही नहीं बल्कि जनता का भी फायदा होगा। प्रस्ताव के लिए गठित की गई उच्चस्तरीय समिति के अध्यक्ष रामनाथ कोविंद ने वन नेशन, वन इलेक्शन के फायदे गिनाए हैं। उन्होंने एक देश, एक चुनाव के विचार का समर्थन करते हुए कहा कि केंद्र में चाहे भाजपा हो या कोई और दल, उसे इसका सीधा फायदा मिलेगा और जनता भी लाभान्वित होगी। उन्होंने इसे देशहित में बताया है। अगर वन नेशन वन इलेक्शन लागू होता है तो राजस्व की बचत होगी और जनता का पैसा चुनाव में खर्च होने की जगह उनके हित में खर्च होगा। इस पैसे को विकास कार्यों में लगाया जा सकेगा। रामनाथ कोविंद रायबरेली में मीडिया से बात कर रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति ने कहा कि पार्ल्यामेंट्र पैनल, नीति आयोग और चुनाव आयोग ने एक साथ चुनाव कराने को लेकर अपनी रिपोर्ट दे दी है। आजाद भारत में 1952 से लेकर 1967 तक एक साथ ही चुनाव कराए जाते थे। हालांकि बाद में लोकसभा या फिर राज्य की विधानसभाओं के समय से पहले भंग होने की वजह से चुनाव का समय बदल गया और अलग-अलग समय पर चुनाव होने लगे। कोविंद ने कहा, सरकार ने उच्चस्तरीय समिति बनाई है और मुझे इसकी जिम्मेदारी दी है। इसके लिए कमिटी के सदस्यों और जनता ने अपने सुझाव दिए हैं।

उन्होंने कहा कि समिति रजनीतिक दलों से भी उनके सुझाव और विचार मांगेगी। उन्होंने कहा, सभी दलों ने वन नेशन वन इलेक्शन का सपोर्ट किया है। कुछ मामलों में राजनीतिक दलों के विचार अलग-अलग हैं। लेकिन यह देशहित का मामला है। किसी एक दल के हित के लिए इसपर विचार नहीं किया जा रहा है। बता दें कि संसद के विशेष सत्र के बाद 2 सितंबर को सरकार ने यह पैनल बनाया था। वहीं कांग्रेस कार्यकारी समिति की बैठक में वन नेशन, वन इलेक्शन के प्रस्ताव को खारिज कर दिया था और इसे संविधान का उल्लंघन बताया था। जबकि राहुल गांधी, जयराम रमेश और पी चिदंबरम जैसे नेताओं ने भी इसका विरोध किया था।

इस समिति में कुल आठ सदस्य हैं जिसमें गृह मंत्री अमित शाह, पूर्व कांग्रेस नेता गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के चेयरमैन रहे एनके सिंह, पूर्व लोकसभा सचिव सुभाष सी कश्यप, सीनियर वकील हरीश साल्वे, पूर्व विजिलेंस कमिश्नर संजय कोठारी और कांग्रेस के लोकसभा में विपक्ष के नेता अधीर रंजन चौधरी शामिल हैं। हालांकि चौधरी ने इस पैनल में शामिल होने से इनकार कर दिया था। ऐसे में वह बैठकों में भी हिस्सा नहीं लेते हैं। इस समिति की बैठक में कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल भी शामिल हुए थे।

पिछले कामों ने राजस्थान में भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया : जयराम रमेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है कि कांग्रेस सरकार के पिछले कामों ने भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया हे। उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह पूरी तरह से व्याकुल हैं और हताशा में झूठ पर झूठ बोल रहे हैं, क्योंकि भाजपा को राजस्थान में जीतने की बहुत कम उम्मीद थी, वह भी टूट गई। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस की सात गारंटी और पिछले पांच साल में हुए काम ने भाजपा की उम्मीदों पर पानी फेर दिया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने एक्स पर लिखा कि इस चुनावी मौसम में एक बात ध्यान देने लायक है। पांच राज्यों में चुनाव हैं, लेकिन जब प्रधानमंत्री राजस्थान आते हैं तो उन्हें खूब झूठ बोलना पड़ रहा है। यहां एक के बाद एक बयान दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि बाकी चार राज्यों में भाजपा मुकाबले में ही नहीं है, जबकि राजस्थान में उन्हें पिछले दशकों की परिवर्तन की परंपरा के कारण थोड़ी बहुत उम्मीद थी। लेकिन चिरंजीवी योजना और हमारी सात गारंटी सहित कांग्रेस सरकार की सभी जनकल्याणकारी योजनाओं ने यहां भी उनकी उम्मीदों पर पानी फेर दिया है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि हम अपने काम के दम पर जनता के बीच जा रहे हैं। हमने अपने वादे पूरे किए हैं और लोगों को हमारी योजनाओं का सीधा लाभ मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राजस्थान की कांग्रेस सरकार द्वारा शुरू की गई जनकल्याणकारी योजनाएं प्रदेश की जनता को मोदी निर्मित महंगाई से राहत दे रही हैं। हमारे वादे पूरे करने के पिछले पांच साल के ट्रैक रिकॉर्ड को देखते हुए लोग कांग्रेस की सात गारंटी पर भरोसा करने लगे हैं। हर वर्ग के लोग हमारे साथ हैं। यही कारण है कि प्रधानमंत्री पूरी तरह से व्याकुल हैं। हताशा और निराशा में वह झूठ पर झूठ बोल रहे हैं। लेकिन राजस्थान की जनता उनकी बातों से गुमराह होने वाली नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट से केजरीवाल सरकार को फटकार, विज्ञापन के लिए पैसा, आरआरटीएस प्रॉजेक्ट के लिए नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। आरआरटीएस प्रॉजेक्ट (रैपिड रेल) के लिए दिल्ली की आप सरकार की ओर से बजट नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जाहिर की है। सुप्रीम कोर्ट ने अरविंद केजरीवाल सरकार को कड़े शब्दों में फटकार लगाकर कहा कि उनके विज्ञापन का पैसा प्रॉजेक्ट में लगा दिया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल सरकार को एक सप्ताह की मोहलत दी है। सुप्रीम कोर्ट ने इसके पहले जुलाई में भी केजरीवाल सरकार से नाराजगी जाहिर की थी और प्रॉजेक्ट के लिए पैसा जारी करने को कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, दिल्ली सरकार ने इस कोर्ट के आदेश का पालन क्यों नहीं किया? हम आपके (दिल्ली सरकार) विज्ञापन बजट पर स्टे लगा देने को तैयार हैं। जस्टिस संजय किशन कौल और जस्टिस सुधांशु धूलिया की बेंच ने यह भी निर्देश दिया कि दिल्ली सरकार के विज्ञापन फंड को प्रॉजेक्ट के लिए ट्रांसफर कर दिया जाए। हालांकि, इस आदेश को एक सप्ताह की अवधि के लिए स्थगित रखा गया है। सबसे बड़ी अदालत ने कहा कि यदि एक सप्ताह में दिल्ली सरकार फंड ट्रांसफर नहीं करती है, तब यह आदेश लागू हो जाएगा। रिपोर्ट के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने कहा, यदि इसतरह के राष्ट्रीय प्रॉजेक्ट प्रभावित होते हैं और पैसा विज्ञापन पर खर्च किया जा रहा है, तब हमें कहना होगा कि पैसा इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए भेज दिया जाए। दिल्ली सरकार की ओर से पेश हुईं वरिष्ठ वकील मीनाक्षी अरोड़ा ने एक सप्ताह का समय मांगा। जस्टिस कौल ने कहा कि मामले को एक सप्ताह बाद सूचीबद्ध किया जाएगा और यदि फंड नहीं दिया गया तब आदेश प्रभावी होगा।

जो किसान पराली जला रहे, उन्हें एमएसपी का लाभ मत दो : सुप्रीम कोर्ट

-पंजाब सरकार के माध्यम से केन्द्र को किया आगाह, बिहार का दिया उदाहरण

नई दिल्ली(एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने पराली जलाने वाले किसानों को एमएसपी का लाभ नहीं देने केन्द्र सरकार को आगाह किया है। दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण और पड़ोसी राज्यों में पराली जलाए जाने के मसले पर मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। कई बार रोकने के बावजूद भी किसान पराली जलाना बंद नहीं कर रहे हैं, इस पर सख्त टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने पंजाब सरकार के माध्यम से केंद्र सरकार से कहा कि जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए। इस दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बिहार में किसान पराली को जलाते नहीं, बल्कि अपने हाथों से काटते हैं। सुनवाई से पहले पंजाब सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया और पंजाब सरकार ने कहा कि पराली जलाए जाने को लेकर 2 करोड़ हर्जाना वसूला गया है। पंजाब सरकार ने कहा पंजाब के 6 जिले में पूरी तरीके से पराली नहीं जलाया गया है। जबकि सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि बच्चे और बीमार लोग प्रभावित हो रहे हैं, पराली जलाना जारी है। इस पर जस्टिस संजय किशन कौल ने कहा कि ऐसी फसलों पर इमसेंटिव दिया जाए जिनके अपशिष्ट जलाने की जरूरत ना पड़े। लेकिन यह इंसेंटिव एमएसपी जैसा ही होना चाहिए। जवाब में पंजाब सरकार ने कहा कि हमने पराली जलाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की है और करीब 100 एफआईआर दर्ज किया है। इस पर जस्टिस कौल ने कहा कि कानून का उल्लंघन करने वाले लोगों को आर्थिक लाभ क्यों मिले? सुप्रीम कोर्ट ने बड़ी टिप्पणी करते हुए कहा जो किसान पराली जला रहे हैं, उन्हें एमएसपी का लाभ नहीं मिलना चाहिए। कोर्ट ने आगे कहा कि जो लोग पराली जलाने का काम कर रहे हैं, उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। सरकार की तरफ से जो मशीनें दी गई हैं, उस पर 80 फीसदी की सब्सिडी दी जा रही है। पंजाब सरकार ने कहा अन्य फसलों पर भी सब्सिडी दिए जाने की जरूरत है।

सुप्रीम कोर्ट ने अहम टिप्पणी करते हुए कहा कि एक समस्या यह है कि जो लोग पराली जला रहे हैं वे यहां नहीं आएंगे। बिहार में वे इसे अपने हाथों से काटते हैं। हम समझते हैं कि जिन लोगों के पास पर्याप्त जोत है, उनके पास मशीनीकृत कटाई के साधन हैं, लेकिन छोटी जोत वाले लोग पराली जलाने को लेकर संघर्ष कर रहे हैं। वहीं पंजाब सरकार ने दलील दी कि पंजाब और दिल्ली में पराली जलाने की घटनाएं बहुत कम हैं। अन्य पड़ोसी राज्य यूपी, हरियाणा और राजस्थान का असर है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि किसान को विलेन बनाया जा रहा है और उसकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। उसके पास पराली जलाने के कुछ कारण होंगे। हमें इस विचार करने की जरूरत है।

हिमाचल में भी हुआ था उत्तरकाशी जैसा हादसा, सुरक्षित निकाले गए थे मजदूर

उत्तराखंड टनल हादसा: सभी 41 मजदूर सुरक्षित, बचाने की कोशिश जारी

शिमला (एजेंसी)। उत्तराखंड के उत्तराकाशी में सिल्क्यारा सुरंग में फंसे 41 मजदूरों को बचाने की कोशिशें जारी हैं। फिलहाल, सभी मजदूर सकुशल हैं और उन्हें खाना और पानी दिया जा रहा है। अहम बात है कि सिल्क्यारा सुरंग की तरह ही हिमाचल प्रदेश में भी 9 साल पहले ऐसा ही हादसा हुआ था, जिसमें दो मजदूर 10 दिन बाद बिना खाने के जिंदा निकले थे। इन दोनों मजदूरों ने दस दिन तक अंदर गंदा पानी पीया और कागज खाए थे। बड़ी बता है कि तीन दिन तक टनल में फंसे हुए मजूदरों की संख्या का पता नहीं चल पाया था। जानकारी के अनुसार 12 सितंबर 2015 की यह घटना है, जब हिमाचल प्रदेश के बिलासरपुर जिले में कीरतपुर मनाली फोरलेन पर निर्माणाधीन टनल अंदर से ढह गई थी। इस दौरान तीन मजदूर अंदर फंस गए थे। सिरमौर और मंडी जिले के ये दोनों मजदूर थे। मंडी जिले के उप तहसील की नलवागी पंचायत के करेरी गांव निवासी मणिराम और सिरमौर के सतीश तोमर टनल में फंसे रहे थे। दोनों ने रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद बताया था कि टनल के अंदर गंदा पानी और कागज के टुकड़े उन्होंने खाए थे।

गौरलतब है कि इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान जहां टनल के अंदर से ड्रिलिंग की गई। वहीं टनल के ऊपर से भी आधुनिक ड्रिलिंग मशीन से छेद किया गया। टनल के ऊपर से लगभग 42 मीटर होल से एनडीआरएफ का जवान टनल में उतरा था और फिर दोनों मजदूरों को बारी-बारी रस्से से बांध कर ऊपर भेजा गया। 10वें दिन के बचान अभियान के दौरान एनडीआरएफ के सब इंस्पेक्टर नरेश ने 1.3 मीटर चौड़े होल से टनल में प्रवेश किया था। वह सुबह टनल में उतरे, लेकिन, कंकरीट होने के कारण वह टनल के अंदर नहीं जा सके। फिर दोबारा कोशिश में वह अंदर पहुंचने में कामयाब हुए थे। पूरे अभियान के दौरान टनल के ऊपर और साथ साथ खुदाई की गई। उस दौरान आईएएस अफसर मानसी सहाय बिलासपुर की डीसी थी और उनके नेतृत्व में ही यह रेस्क्यू ऑपरेशन चला था। अब बताया जा रहा है कि उन्होंने उत्तराखंड के सीएम से भी बात की है और तकनीकी जानकारी सांझा की है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

डायमंड बुर्स की आधिकारिक शुरुआत, विदेशी खरीदारों ने पहले दिन की खरीदारी

दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग सूरत डायमंड बुर्स का श्रीगणेश,135 व्यापारियों ने शुरूकिया कारोबार

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

दुनिया की सबसे बड़ी ऑफिस बिल्डिंग सूरत डायमंड बुर्स (एसडीबी) आज से आधिकारिक तौर पर कारोबार के लिए खुल गया। एसडीबी के भीतर लगभग 135 कार्यालय हीरा व्यापारियों द्वारा संचालित किए गए थे। शास्त्रोक्त विधि के अनुसार मंगलवार सुबह-सुबह हीरा व्यापारी अपने कर्मचारियों के साथ कार्यालय में प्रवेश कर गए और पूजा-अर्चना के साथ व्यापार-व्यवसाय शुरू किया। 135 व्यापारियों में से 26 हीरा व्यापारियों ने मुंबई से अपना कार्यालय बंद कर दिया है और स्थायी रूप से सूरत स्थायी हो गए हैं। विदेश से कई खरीदार आज सूरत डायमंड बुर्स में आए। सूरत डायमंड बुर्स के अंदर कार्यालय खुलने से सूरत के हीरा उद्योग को भी काफी गति मिलेगी।

शुरूहुए हीरा बाजार में कारोबार करने वाले 135 व्यापारियों में से 26 हीरा व्यापारी स्थायी रूप से मुंबई से सूरत चले गए हैं। मुंबई के व्यापारियों ने मुंबई कार्यालय बंद कर दिया है और आज से अपने सभी कर्मचारियों के साथ सूरत डायमंड बुर्स में काम करना शुरू कर दिया है। व्यापारियों का मानना है कि अब तक सूरत से कटे, पॉलिश और कच्चे हीरों का माल मुंबई लाया जाता था। तब इसका व्यापार मुंबई से होता था, लेकिन अब सूरत में सभी प्लेटफार्म उपलब्ध होने से व्यापार को काफी बढ़ावा मिलेगा।

सूरत की मशहूर किरण जेम्स ग्लोबल कंपनी के मालिक दिनेश लाखानी ने आज अपने ऑफिस में कारोबार की शुरुआत की। डायमंड बुर्स के 15वीं मंजिल पर स्थित ऑफिस में अपने स्टाफ के साथ विघ्नहर्ता की पूजा की और श्रीगणेश की विधिवत पूजा की। इस अवसर पर डायमंड बुर्स के अध्यक्ष वल्लभ लाखानी और समिति सदस्य दिनेश नावडिया भी उपस्थित थे। सभी महानुभावों ने कहा कि आज से सूरत डायमंड बुर्स में 135 कार्यालयों में कारोबार शुरू हो गया है, जिसमें से 26 कार्यालय मुंबई डायमंड बुर्स के व्यापारियों के हैं।

17 दिसंबर को पीएम उद्घाटन करेंगे

डायमंड बुर्स के अध्यक्ष वल्लभ लाखानी ने कहा कि सूरत डायमंड बुर्स में अपना कारोबार शुरू करने वाले व्यापारियों ने खुशी व्यक्त की है। अन्य व्यवसायियों की ओर से भी उनके कार्यालय में फर्नीचर बनाने की मांग आ रही है। सूरत को हाल तक डायमंड सिटी के नाम से जाना जाता था, अब इसे सूरत डायमंड बुर्स के नाम से पहचान मिल रही है। पिछले सात वर्षों की मेहनत अब साकार हो रही है। धीरे-धीरे डायमंड बुर्स में अन्य कार्यालय भी फलफूलेंगे, जहां उम्मीद है कि अगले एक साल में 4 हजार कार्यालय चालू हो जाएंगे। इतना ही नहीं, 17 दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी डायमंड बुर्स का उद्घाटन करने वाले हैं।

बुर्स की आज एक अलग पहचान है: दिनेश नावडिया

सूरत डायमंड बुर्स समिति के मीडिया संयोजक दिनेश नावडिया ने कहा कि छह साल के भीतर सूरत डायमंड चालू होने जा रहा है। देश के प्रधानमंत्री के ट्वीट के बाद कि सूरत डायमंड बुर्स दुनिया की सबसे बड़ी व्यापारिक इमारत है, आज सूरत डायमंड बुर्स को एक अलग पहचान मिल गई है। आज यहां 135 व्यापारी अपना कारोबार संचालित किया हैं। सबसे बड़ी खुशी की बात यह है कि करीब 26 व्यापारियों ने अपना पूरा कारोबार महाराष्ट्र मुंबई से बंद कर आज से सूरत डायमंड बुर्स में शुरूकर दिया है।

पहले दिन देश विदेश से कई व्यापारी मौजूद रहे

सबसे बड़ी बात यह है कि आज से शुरूहुए डायमंड एक्सचेंज के श्रीगणेश में विदेशी खरीदार आ गए हैं और खरीदारी शुरूकर दी है। धीरे-धीरे, सूरत डायमंड बुर्स अंतरराष्ट्रीय बाजार में एक नाम बन रहा है। एक नया माहौल बन रहा है, मुझे विश्वास है कि अब तक सूरत शहर डायमंड सिटी के नाम से जाना जाता था और आने वाले दिनों में सूरत शहर डायमंड बर्से सिटी के रूप में पहचान बनाएगा। पहले दिन जब डायमंड बुर्स में व्यापारियों द्वारा कार्यालय खोला गया, तो विदेश से कई व्यापारी उपस्थित थे, जिसमें किरण जेम्स के साथ व्यापार करने वाले तुर्की के एक इलोरियन हीरा व्यापारी विशेष रूप से सूरत डायमंड बुर्स के उद्घाटन में पहुंचे। पहले ही दिन उन्होंने खरीदारी की और बिजनेस शुरूकर दिया।

मैं पहली बार सूरत आया हूं: इलोरोज़िया

तुर्की के हीरा व्यापारी इलोरोज़िया ने कहा, मैं पहली बार सूरत आया हूं। मैं पिछले कुछ समय से किरण जेम्स के डीलर से हीरे खरीद रहा था। अब तक मैं सिर्फ मुंबई से ही हीरे खरीदता था, लेकिन अब सूरत डायमंड बुर्स देखने के बाद मुझे विश्वास है कि यह बहुत आसान तरीका है। यह उस स्थान पर उपलब्ध हीरे खरीदने का एक बहुत आसान तरीका होगा जहां विनिर्माण इकाई स्थित है। यहां हमारा पहले दिन का अनुभव अद्भुत एवं अलौकिक था। आने वाले दिनों में सूरत डायमंड बुर्स में व्यापार करना खुशी की बात होगी।

दमन घुमने गए कारोबारी को सीसीटीवी नोटीफिकेशन से पता चला की घर में चोर घुंसे है

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

कारोबारी के बंगले से 5.50 लाख नकदी और आभूषणों की चोरी, पत्नी के साथ दमन गए थे कारोबारी, बेटा परिवार के साथ मथुरा

सूरत के सुमुलदेरी रोड श्रद्धा सोसायटी में रहने वाले बुजुर्ग कपड़ा व्यापारी दमन अपनी पत्नी के साथ अपने दूसरे घर गए थे, जबकि उनका बेटा अपने परिवार के साथ मथुरा गया था, तभी दो चोरों ने रसोई की खिड़की खोली, लोहे की ग्रिल निकाली और अंदर घुस गए। घर में 5.50 लाख रुपये नकद, सोने-चांदी के आभूषण, घड़ियां आदि कुल 6.88 लाख रुपये की संपत्ति चोरी कर फरार हो गये।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, सूरत के सुमुलदेरी रोड स्थित श्रद्धा सोसायटी बंगला नंबर 16 में रहने वाले 70 वर्षीय कपड़ा व्यापारी भरतकुमार रमणलाल खंबाती 15 तारीख को अपनी पत्नी रंजनबेन के साथ दमन स्थित अपने दूसरे घर में रहने गए थे। जबकि उनका बेटा अभिषेक अपने परिवार के साथ मथुरा गया हुआ था। इसी बीच बीती रात 3.10 बजे जब वह सो रहे थे तो उनके मोबाइल फोन पर सूचना मिली कि सूरत स्थित घर के हॉल में कोई घूम रहा है। उन्होंने सीसीटीवी फुटेज चेक किया। हॉल में देखा तो दो लोग चेहरे पर रुमाल बांधे हुए घूम रहे थे। इसलिए उन्होने पडोश के बंगला नंबर 14 में रहने वाले भाई प्रवीणचंद्र को फोन कर घर में चोर घुंसने की जानकारी दी तो उन्होने बेटे परिमल और आसपास के लोगों को जगाया। सोसायटी और पुलिस को सूचना दी। जब पुलिस आई और उनके साथ बंगले में गई, तो दोनों चोर भाग गए।

जब भरत कुमार सूरत आकर बंगले में देखा तो पीछे की रसोई की खिड़की और साइड में लगे लोहे के ग्रिल के स्क्रू खुले थे। घर का सामान बिखरा हुआ था और अलमारी के ताले टूटे हुए थे। चोर 4.50 लाख रुपये नकद, 15 से 17 जोड़ी पायल कंगन ले गए। पड़ोसी के बेटे के कमरे की अलमारी से 75 हजार रुपये की चांदी की पायल और 1 लाख रुपये नकद, 45 हजार रुपये का सोने का कंगन और 18 हजार रुपये की घड़ी चोरी हो गयी। चोर रात 1.31 बजे घर में घुसे थे और 3.10 बजे चले गए। कतारगाम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज की गई। आगे की जांच पीएसआई वीएन सिंगारखिया द्वारा की जा रही है।

सिटी बसों और बीआरटीएस में यात्रियों की संख्या में 40 प्रतिशत की गिरावट,209 बसें कम हुई

सूरत में दिवाली की छुट्टी पर सिटी बसों और बीआरटीएस में यात्रीयों की संख्या घटी

सूरत सिटी बसों और बीआरटीएस

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत शहर में फिलहाल दिवाली की छुट्टियां चल रही हैं। दिवाली की छुट्टियों में बड़ी संख्या में सुरती शहर से बाहर चले गए हैं, ऐसे में व्यापार और उद्योगों में अभी भी छुट्टी का माहौल है। जिसमें अब धीरे-धीरे थोड़ी हलचल बढ़ गई है। ऑफिस और फैक्ट्री के कर्मचारी भी बड़ी संख्या में अपने गृहनगर (गांव) पहुंच हैं, इसलिए इन दिनों सिटी बसों और बीआरटीएस में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में 40 प्रतिशत कम हो गई है। फिलहाल यात्रियों की संख्या 1 लाख से कम दर्ज की जा रही है।

यह स्थिति हर साल दिवाली सीजन के दौरान बनती है

फिलहाल सभी फैक्ट्रियां और दफ्तर बंद हैं क्योंकि दिवाली के सीजन में बड़ी संख्या में लोग अपना घर छोड़कर गांव चले गए हैं। ऐसे में सिटी बसों और बीआरटीएस बसों में यात्रियों की संख्या 40 फीसदी कम हो गई है। यह स्थिति आमतौर पर हर साल दिवाली सीजन के दौरान बनती है। दिवाली से पहले सिटीबस और बीआरटीएस में कुल 1 लाख 58 हजार 644 यात्रियों ने सफर किया, जिसमें यह आंकड़ा अब घटकर 88 हजार 854 हो गया है।

209 बसें कम हो गई

नगर निगम द्वारा सामान्य दिनों में यात्रा में 776 बसें चलाई जाती हैं। अब बसों में 40 प्रतिशत यात्रीयों की कमी के साथ 209 बसें कम कर दी गई हैं और फिलहाल 567 बसें विभिन्न रूटों पर दौड रही हैं। हालांकि, अगले कुछ दिनों में कारोबार फिर से शुरूहो जाएगा और बाहर गए लोगों की वापसी के साथ सभी बसें पहले की तरह चलाई जाएंगी।

सिटीबस सेवा बहुत उपयोगी

तेजी से मेट्रो सिटी की ओर बढ़ रहे सूरत शहर में परिवहन सुविधाएं बढ़ाने और आम लोगों को सस्ती दरों पर आसान पहुंच उपलब्ध कराने के लिए शुरूकी गई सिटी बस और बीआरटीएस को अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। सिटीबस सेवा उन लोगों के लिए बहुत उपयोगी साबित हो रही है जिनके पास अपना वाहन नहीं है। खासतौर पर काम पर जाने वाले लोग इसका इस्तेमाल कर रहे हैं। कई स्टॉप पर बस हमेशा यात्रियों से भरी रहती है।

हवाई अड्डे पर तुरंत एक नई सेवा शुरूकी गई ताकि प्रधानमंत्री मोदी का बड़ा बोइंग 777 विमान मोड़ ले सके

टर्निंग पैड को बड़ा किया गया ताकि प्रधानमंत्री का विमान वेसु एंड से आसानी से मुड़ सके

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का विमान डुमस एंड से रनवे पर उतरेगा

डीजीसीए ने वेसु की ओर तैयार विस्तारित टर्निंग पैड को मंजूरी दे दी

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के १७ दिसंबर को सूरत एयरपोर्ट पर उतरने से पहले एक नई सुविधा मिल गई है। प्रधानमंत्री का वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट (एयर इंडिया वन-बोइंग-७७७) १७ दिसंबर को सूरत हवाई अड्डे के डुमस छोर से रनवे पर उतरेगा। उनका विमान वेसु छोर से मुड़ेगा और फिर से डुमस एंड की ओर उड़ान भरेगा।

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले सूरत हवाई अड्डे का दौरा करने वाले विमानन मंत्रालय के अधिकारीओं ने बड़े विमान के उतरने के बाद एक मोड़ लेंगे और समानांतर टैक्सी ट्रैक पर जाएंगे और यहां से फिर डुमस की ओर उड़ान भरेंगे।

सूत्रों के मुताबिक, डायमंड बुर्स के उद्घाटन के लिए आनेवाले प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी १७ दिसंबर को सूरत हवाई अड्डे के विस्तारित आधुनिक टर्मिनल भवन, एयरो ब्रिज, पार्किंग, समानांतर टैक्सी ट्रैक का हिस्सा और वेसु छोर पर एक विस्तारित टर्निंग पैड का भी उद्घाटन करेंगे। वेसू के लिए तैयार नए टर्निंग पैड को सोमवार को डायरेक्टर जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने भी तत्काल मंजूरी दे दी है। टर्निंग पैड को बड़ा किया गया है ताकि डुमस से उतरने वाला प्रधानमंत्री का विमान वेसु एंड से आसानी से टर्न ले सके।

सूरत एयरपोर्ट का मौजूदा रनवे २,९०५ मीटर लंबा है। लेकिन वेसू की ओर सटी संपत्तियों के कारण वेसू से विमान उतारने के लिए ६१५ मीटर के रनवे को काट दिया जाता है। यानी पायलट को ६१५ मीटर रनवे के आगे २२९० मीटर रनवे का ही इस्तेमाल करना पडता है।

आईएलएस और कैट लाइट की सुविधा नहीं है, जिससे रात में इसका उपयोग करना मुश्किल हो जाता है, इसलिए किसी भी हवाई अड्डे पर विमान के उतरने और उड़ान भरने के लिए पिछले १५-२० वर्षों का चार्ट होता है। डुमस एंड से लैंडिंग साल में केवल २० में जब हवा तेज गति से चल रही हो तो उसके हवा के दबाव और विमान के दबाव से आगे बढ़ने का खतरा रहता है।

इसी लिए वेसू की ओर इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम सहित सुविधाएं विकसित की गई हैं। हालांकि, कुछ लोगों का मानना है कि डुमस एंड से २९०५ मीटर रनवे पर वाइड बॉडी एयरक्राफ्ट को उतारना मुश्किल नहीं है। हवा की गति जैसे बड़े मुद्दे पर भी सूरत में लंबे समय से चल रही कानूनी लड़ाई में डीजीसीए के अधिकारी कोई जोखिम नहीं लेना चाहते।

केंद्र के नागरिक उड्डयन विभाग के अधिकारियों ने सोमवार को सरकारी विमान से सूरत हवाई अड्डे पर सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण किया। उन्होंने इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम और रनवे का भी निरीक्षण किया। इसके अलावा, हवा में विमानों की सुरक्षित आवाजाही के लिए एयर नेविगेशन बहुत महत्वपूर्ण है। जो स्थानिक जानकारी प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एएआई की एफआईयू ने ग्राउंड सीएनएस टीम के साथ समन्वय में सूरत हवाई अड्डे पर सफल अंशांकन पूरा किया

एयरपोर्ट अथॉरिटी ने वेसु की ओर रनवे के टर्निंग पैड को संशोधित और बड़ा किया है ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का एयर इंडिया वन - बोइंग-७७७ विमान सूरत हवाई अड्डे पर आसानी से उतर सके। डीजीसीए ने ट्रायल रन के बाद नए संशोधित टर्निंग पेड का उपयोग करने की अनुमति भी दे दी है।

विमानन उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि सूरत हवाई अड्डे पर टर्निंग पैड को बड़ा करने से डुमस से उतरने वाले वाइड बॉडी विमानों को एक निश्चित अवधि के भीतर लाभ मिल सकता है, यह सुविधा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सूरत की सुरक्षित यात्रा के लिए बनाई गई है।

चूंकि डुमस ०४ रनवे में प्रतिशत समय ही आसान मानी जाती है। बाकी समय हवा की गति तेज़ होती है।

प्रधानमंत्री का विमान भले ही बड़ा हो, लेकिन उसमें पर्याप्त यात्री और सामान नहीं होता। ईंधन भी मैनुअल है। जबकि निजी वाइड बॉडी विमान में यात्री और सामान भार के अलावा ईंधन भार पर भी विचार किया जाता है। ऐसे

21 वर्षीय महिला की रहस्यमय मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

मृतिका के परिवार का आरोप है कि नवसारी के गणदेवी में ससुराल वालों ने दहेज की मांग कर प्रताड़ित कर 21 वर्षीय विवाहिता की हत्या कर दी. चूंकि महिला की रहस्यमय तरीके से मौत हो गई, इसलिए सूरत सिविल अस्पताल में फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम कराया गया है। वहीं सूरत में रहने वाले परिजनों का आरोप है कि ससुराल वालों पर जहर देकर हत्या की गई है.

दहेज मांगने का आरोप

गिरधारीलाल कुमावत पिछले 20 साल से सूरत में परिवार के साथ रहते हैं। उनकी बेटी भावना की शादी 3 साल पहले गणदेवी के अशोक कुमावत से हुई थी। परिवार का आरोप है कि शादी के बाद ससुराल वाले भावना को प्रताड़ित करते थे और दहेज की मांग करते थे।

कल सुबह 10 बजे हुई मौत: पिता

मृतका भावना के पिता गिरधारीलाल ने बताया कि भावना की कल 20 नवंबर को सुबह 10 बजे मौत हो गई। ससुराल वालों ने पत्नी के मायके वालों को भी मौत की सूचना नहीं दी। इसकी जानकारी रिश्तेदारों के माध्यम से बेटी के माता-पिता को हुई। आरोप है कि डेढ़ साल पहले भी दहेज और संतान न होने के कारण ससुराल वालों ने जहर पी लिया था। अब पत्नी के शव को फॉरेंसिक पोस्टमॉर्टम के लिए सूरत सिविल लाया गया है।